देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
airtel
dish
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, रविवार , 19 जुलाई, 2026 | मूल्य : 5.00 पेज:

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

स्काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा, 2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

श्रीहरिकोटा

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हो गया। इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। पहले इस मिशन को सुबह 11:30 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों के चलते इसे दोपहर 12.06 बजे प्रक्षेपित किया गया। हैदराबाद की कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा बनाया गया विक्रम-1 तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल से चलता है। विक्रम-1 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत ने ग्लोबल प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च मार्केट में कदम रख दिया है। यह भारत की कमर्शियल स्पेस क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसके सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो

पीएम ने विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी। उन्होंने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी। प्रधानमंत्री ने हैदराबाद स्थित निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित देश का पहला ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 के शनिवार को सफल प्रक्षेपण के बाद कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना से इसरो के दफ्तर में फोन से बात करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सफलता ने दिखा दिया है कि भारत निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम है। स्काईरूट की युवा टीम ने प्रतिबद्धता और मेहनत से भारत मां की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने इसे वंदे मातरम मिशन की तरह बताया और कहा कि यह नई पीढ़ी को तकनीक का लाभ देने और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करेगा।

पीएम मोदी ने स्काईरूट टीम को जल्द मिलने का निमंत्रण भी दिया

स्काईरूट टीम को जल्द मिलने का निमंत्रण भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब मैं आत्मनिर्भर भारत की बात करता था तो नासमझी में लोग उसका मजाक उड़ाते थे। आज आपने सिद्ध कर दिया कि इस क्षेत्र में भी हम आत्मनिर्भर बनने के लिए समर्थ हैं। उस सामर्थ्य को आपने कर दिखाया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 की लॉन्चिंग का आईसीएमआर से सीधा प्रसारण देखा।

तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 की लॉन्चिंग का आईसीएमआर से सीधा प्रसारण देखा। उन्होंने इसके सफलतापूर्वक प्रक्षेपण को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इस मौके पर उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को मिठाई खिलाई। उन्होंने भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई दी।

डॉ सिंह ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस को विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर हार्दिक बधाई। भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल का यह मिशन देश के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष तकनीकी क्षमता और विकसित हो रही स्पेस इकोनॉमी का प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विक्रम-1 की खासियत

विक्रम-1 चार-स्टेज वाला ऑर्बिटल रॉकेट है, जो लगभग 20 मीटर ऊंचा और 1.7 मीटर व्यास वाला है। इसके पहले तीन स्टेज सॉलिड प्रोपल्शन पर काम करते हैं, जबकि चौथा स्टेज ऑर्बिट में पहुंचने और सटीक मूवमेंट के लिए लिक्विड इंजन का इस्तेमाल करता है। इसे पूरी तरह से कार्बन कम्पोजिट स्ट्रक्चर से बनाया गया है। विक्रम-1 में 3डी-प्रिंटेड इंजन और हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल बूस्टर लगे हैं। इसे 350 किलोग्राम तक वजन वाले छोटे सैटेलाइट को लो-अर्थ ऑर्बिट में ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

रेल मंत्री अश्विनी ने रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरूआत की। यह पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन है जो उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र के रामनगर को गढ़वाल क्षेत्र की राजधानी देहरादून से जोड़ेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। रेल मंत्रालय ने बताया कि ट्रेन सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार चलेगी। ट्रेन संख्या 15310 सुबह 05:50 बजे रामनगर से रवाना होकर दोपहर 12:40 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 15309 दोपहर 15:55 बजे देहरादून से चलकर रात 23:30 बजे रामनगर पहुंचेगी। ट्रेन रास्ते में काशीपुर, रोशनपुर, पिपलसाना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी सेकेंड क्लास, एसी थर्ड क्लास, एसी चेयर कार, स्लीपर क्लास, सेकेंड सिटिंग और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। नई सेवा से नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार और देहरादून जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बिजनौर जिलों के लोग लाभान्वित होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह ट्रेन दोनों क्षेत्रों के बीच तेज, सुविधाजनक और भरोसेमंद रेल संपर्क प्रदान करेगी। ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि हरिद्वार पर दबाव कम हो। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

उत्तराखंड के 11 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से चल रहा है, जिनमें देहरादून, हरिद्वार, काशीपुर, कोटद्वार, रुड़की और काठगोदाम शामिल हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस की शुरूआत उत्तराखंड में रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। धामी ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है और यह उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और पर्यटन विकास की जीवनरेखा बनेगी।

योगी ने अमरोहा को दी 207.49 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

अमरोहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। सुबह बुलंदशहर में विकास कार्यों की सौगात देने के बाद दोपहर अमरोहा पहुंचे। अमरोहा और धनौरा विधानसभा क्षेत्र की 207.49 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर समारोह को संबोधित कर अपनी सरकार के विकास कार्यों का लेखा जोखा रखा। सरकार की प्राथमिकताएं गिनायी और पूर्ववर्ती सपा सरकार को कानून व्यवस्था और विकास को लेकर घेरा। कार्यक्रम में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सियावर रामचंद्र जी महाराज की जय, पवनसुत हनुमान की जय और वृंदावन बिहारी लाल की जय का जयकारा लगाकर अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि अमरोहा महाभारत कालीन पावन तीर्थ तिगरी धाम और वासुदेव तीर्थ की ऐतिहासिक विरासत को संभाले हुए है और यहां के लोगों ने अपनी कारीगरी और हस्तशिल्प से दुनिया में अलग पहचान बनाई है। डबल इंजन की सरकार में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से अमरोहा से दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज की दूरी काफी कम हो गई है। अमरोहा अब पिछड़े जिले की पहचान से बाहर निकल चुका है।

अब भय नहीं, अब विकास हो रहा: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि जिस तरह यहां के तबले और ढोलक ने दुनिया में अमरोहा का नाम रोशन किया है, ठीक उसी तरह यह अमरोहा विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए अपनी नई पहचान बनाएगा। वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले इस तरह के विकास और औद्योगिक निवेश के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। हाल यह थे कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में गन्ना किसानों को समय पर भुगतान तक नहीं मिल पाता था और इतना ही नहीं वर्ष 2007 से 2017 के बीच प्रदेश की 29 चीनी मिलें बंद कर दी गई थीं, लेकिन भाजपा की सरकार ने समय रहते प्रदेश का चीनी उद्योग बचा लिया और आज डबल इंजन की सरकार प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन कर रही है। जहां तक गन्ना भुगतान की बात है तो हमारी सरकार ने गन्ना किसानों को 3.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान कर चुकी है। पहले गन्ने का मूल्य 300 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसे बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी व्यवस्था चुस्त दुरुस्त की जा रही है। किसी भी भक्त को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और जो बाधा बनेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी।

पीएम-अजय योजना से बदल रही अनुसूचित जाति बहुल गांवों की सूरत

नई दिल्ली/एजेंसी

केन्द्र सरकार की 'प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना' (पीएम-अजय) के माध्यम से देश भर में अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास को लगातार मजबूती मिल रही है। इस योजना के 'आदर्श ग्राम' घटक के तहत अब तक देश के 16,759 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है, जिससे 47.59 लाख से अधिक नागरिकों को सीधा लाभ मिला है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार योजना का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी-आधारित और परिणाम-उन्मुख ढांचे के जरिए गरीबी को कम करना, आजीविका के स्थायी अवसर पैदा करना, अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस योजना ने ग्रामीण स्तर पर बुनियादी ढांचे और जीवन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार किया है। देश भर के कुल 47,316 अनुसूचित जाति बहुल गांवों को इस योजना के तहत शामिल किया गया है।

योजना के माध्यम से अब तक 47,59,399 नागरिकों को लाभ पहुँचाया जा चुका है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए 46,782 से अधिक विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं। भविष्य के सुनियोजित विकास के लिए देश भर में 24,133 ग्राम विकास योजनाएं तैयार की गई हैं।

फर्ज नहीं निभा सकते तो मत लिखो खुद को डॉक्टर' : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में चार वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में समय पर इलाज नहीं देने पर दो निजी अस्पतालों और उनके डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने दोनों अस्पतालों से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने को कहा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने डॉक्टरों से कहा, अगर आप अपना फर्ज नहीं निभा सकते तो आपको अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' लिखने का कोई अधिकार नहीं है। अगर आपके पास इलाज की सुविधा नहीं थी तो आपको खुद बच्ची को दूसरे अस्पताल लेकर जाना चाहिए था। क्या आपने उसे इसलिए नजरअंदाज किया क्योंकि वह गरीब थी? क्या वह आपकी फीस नहीं दे सकती थी? 16 मार्च को चार वर्षीय बच्ची को कथित तौर पर पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। जब बच्ची वापस नहीं लौटी तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में बच्ची बेहोशी की हालत में खून से लथपथ मिली।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी: टिन्नू और मनीष यादव को रिमांड पर जेल से लाई पुलिस

अयोध्या

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी और गबन मामले के आरोपित राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू और मनीष यादव को शनिवार को 39 घंटे की रिमांड पर पुलिस ने लिया है। दोनों आरोपितों को सुबह जिला जेल से निकालकर पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया और पुलिस लाइन लेकर पहुंची। यहां पुलिस चढ़ावा की रकम और साजिश पर गहन पूछताछ कर रही है। मंदिर में चढ़ावा की गबन की गई रकम की बरामदगी, इस मामले में शामिल अन्य संभावित आरोपितों की भूमिका और पूरे घटनाक्रम के पीछे किसी साजिश के पहलुओं पर विस्तृत पूछताछ, पुलिस और जांच एजेंसी ने करना शुरू कर दिया है। इस प्रकरण की जांच कर रहे विवेचक क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि चढ़ावा अनियमितता के मामले में दो आरोपितों को रिमांड पर लिया गया है। जेल से पुलिस हिरासत में लेने के तुरंत बाद आरोपितों को चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया।

रिमांड अवधि पूरी होने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजने से पहले भी जांच होगी। उल्लेखनीय है कि मामले के न्यायाधीश एंटी करप्शन की दिन की पुलिस रिमांड की मांग की थी।

बारिश से फसल गंवाने वाले किसानों को 33.31 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वर्ष 2025 में अगस्त-सितंबर के दौरान हुई भारी बारिश और जलभराव से 100 प्रतिशत फसल नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए 33.31 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता राशि मंजूर की है। सरकार प्रभावित किसानों को 75,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से राहत देगी। यह राशि अगले महीने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजस्व विभाग और सभी जिलाधिकारियों को राहत राशि के वितरण की प्रक्रिया बिना किसी देरी के शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसका छठा हिस्सा होगा: निर्मला सीतारमण

मदुरै

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसकी हिस्सेदारी एक-छठे हिस्से से ज्यादा होगी। उन्होंने युवाओं और उद्यमियों से जोखिम उठाने और इस योगदान को वैश्विक विस्तार के एक-चौथाई तक ले जाने का आह्वान किया। सीतारमण ने तिमलनाडु के मदुरै में आयोजित यंग इंडियंस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस (वाईआईएफआई) समिट 2026 के विशेष पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा, "भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में हमारा योगदान लगभग 1/6वां हिस्सा होगा।" सीतारमण ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने उद्यमियों से जोखिम उठाने और मौकों का फायदा उठाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा, "दुनिया में सबसे युवा वर्कफोर्स हमारे पास है। इनमें उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त 2.4 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स ने मिलकर 23 लाख से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा की है।" उन्होंने कहा, हमारे पास 2,100 से ज्यादा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जो मेट्रो शहरों से आगे बढ़ चुके हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक इंटरनेशनल बेंचमार्क बन गया है। यूपीआई हर महीने 20 अरब से ज्यादा लेन-देन की प्रक्रिया कर रहा है।

वार्ड नंबर 22 में ह्यमेरी रसोई योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को राशन किट बांटी गई

बठिंडा, (सुरेश रहेजा,परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पंजाब सरकार की आम लोगों की भलाई के लिए चलाई जा रही भलाई की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के मकसद से बठिंडा के मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता ने पार्षद श्री शाम लाल जैन के वार्ड नंबर 22 में ह्यमेरी रसोई योजनाह्न के तहत जरूरतमंद परिवारों को राशन किट बांटी। इस मौके पर मेयर ने वार्ड के तीन अलग-अलग डिपो पर पहुंचकर खुद लाभार्थियों को राशन किट सौंपी और बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए पंजाब सरकार की अलग-अलग भलाई की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

अपने संबोधन के दौरान मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के हर वर्ग की भलाई के लिए पूरी ईमानदारी और पक्के इरादे से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार खासकर माताओं और बहनों को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कई जनहितैषी योजनाएं लागू कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज के विकास में अहम योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का मुख्य लक्ष्य राज्य को फिर से ह्यरंगला पंजाबह्न बनाना है। इसी सोच के तहत गांवों और शहरों में जमीनी स्तर पर विकास के कामों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार नई पहल की जा रही है, ताकि हर नागरिक को सरकारी योजनाओं का सीधा फायदा मिल सके।

मेयर मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला-दिव्यांग सत्कार योजना महिलाओं के सम्मान और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में सरकार की एक अहम पहल है। इस योजना के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार और समाज में अहम भूमिका निभा सकें।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लागू की गई 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत योग्य परिवारों को मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। इस योजना ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को महंगे इलाज की चिंता से बड़ी राहत दी है। मेयर ने कहा कि राज्य सरकार की बनाई रोड सेफ्टी फोर्स के असरदार काम की वजह से सड़क हादसों में होने वाली मौतों में करीब 50 परसेंट की कमी आई है। यह सरकार के लोगों की सुरक्षा और लोगों की कीमती जान की रक्षा के प्रति गंभीर कमिटमेंट का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'मेरी रसोई योजना' का मुख्य मकसद यह पक्का करना है कि पंजाब का कोई भी जरूरतमंद परिवार भूखा न रहे। इस स्कीम के तहत जरूरतमंद परिवारों को रेगुलर जरूरी राशन दिया जा रहा है, जिससे उनके घर के खर्च का बोझ कम हो रहा है और वे इज्जत से अपनी ज़िंदगी जी रहे हैं। उन्होंने लोगों से सरकार की अलग-अलग भलाई की स्कीमों का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की भी अपील की। ??इस मौके पर पार्षद शाम लाल जैन ने मेयर पदमजीत सिंह मेहता का वार्ड में आने पर गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि पंजाब सरकार की पब्लिक वेलफेयर स्कीमों का फायदा हर लायक इंसान तक पूरी ट्रांसपेरेंसी के साथ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड के पूरे विकास के साथ-साथ गरीब और जरूरतमंद परिवारों की सेवा करना उनकी पहली प्राथमिकता है।

विशेष लोक अदालत में 3 एनआई एक्ट मामलों का समझौते से निस्तारण, 67 हजार का अवार्ड पारित

रिपोर्टर सुरज वर्मा शाहपुरा में 18 जुलाई को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के मार्गदर्शन में शनिवार को तालुका विधिक सेवा समिति, शाहपुरा द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम ((Negotiable Instruments Act),, 1881 के तहत लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।विशेष लोक अदालत में अपर जिला एवं सेशन न्यायालय में लंबित एनआई एक्ट की अपीलों के साथ-साथ अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएम) न्यायालयों में विचाराधीन धारा 138 एनआई एक्ट के मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया।मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनमीत सिंह मोंगा की अध्यक्षता में गठित विशेष लोक अदालत बेंच ने आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर 3 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण करते हुए ?67 हजार का अवार्ड पारित किया। विशेष लोक अदालत बेंच में अधिवक्ता विनोद कुमार सनाढ्य ने सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अधिवक्तागण एवं संबंधित पक्षकार उपस्थित रहे। लोक अदालत में समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान होने से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली तथा समय और धन दोनों की बचत हुई।

विधिक सेवा समिति के अनुसार, विशेष लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण कर आमजन को सुलभ, त्वरित और सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराना है। यह आयोजन न्यायिक व्यवस्था पर बढ़ते भार को कम करने और वैकल्पिक विवाद निस्तारण प्रणाली को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सफल पहल साबित हुआ।

मुख्य सचेतक, राजस्थान विधानसभा श्री जोगेश्वर गर्ग होंगे ग्लैम ऑफ बॉलीवुड सीजन-2 के मुख्य अतिथि

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग आगामी 20 जुलाई 2026 को जवाहर कला केंद्र, रंगायन सभागार, जयपुर में आयोजित होने वाले ग्लैम ऑफ बॉलीवुड सीजन-2 के ग्रैंड फिनाले में मुख्य अतिथि (Chief Guest) के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। आपणी माटी, आपणो राजस्थान थीम पर आधारित इस विशेष आयोजन का उद्देश्य राजस्थान की भाषा, लोककला, संस्कृति, परंपरा और युवा प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

राजस्थान की भाषा, कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर सक्रिय रहने वाले श्री जोगेश्वर गर्ग की उपस्थिति इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाएगी। आयोजकों का विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से और अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित होगी। ग्लैम ऑफ बॉलीवुड सीजन-2 केवल एक फैशन शो नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का एक सशक्त प्रयास है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से चयनित प्रतिभागी अपनी प्रतिभा के साथ राजस्थान की समृद्ध संस्कृति की झलक प्रस्तुत करेंगे। दिनांकः 20 जुलाई 2026 स्थानः जवाहर कला केंद्र, रंगायन सभागार, जयपुर थीमः आपणी माटी, आपणो राजस्थान

प्रधानमंत्री घोषणाओं की बजाय हरियाणा को विकास का हिसाब दें : रामचंद्र गुर्जर ढांड

कैथल (कृष्ण प्रजापति): हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जींद दौरे को लेकर दिए गए बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी हरियाणा आएं, प्रदेश की जनता को नई घोषणाओं के बजाय पिछले 12 वर्षों का विकास का हिसाब भी दें।

रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह भी बताना चाहिए था कि जिस हाइड्रोजन ट्रेन को भाजपा अपनी उपलब्धि बताकर प्रचारित कर रही है, वह कांग्रेस सरकार के दौरान बिछाई गई जींद-गोहाना-सोनीपत रेल लाइन पर ही संचालित होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दस वर्षों में प्रदेश में लगभग 325 किलोमीटर नई रेल लाइन तथा 83 किलोमीटर मेट्रो लाइन का विस्तार किया गया, जबकि पिछले 12 वर्षों में भाजपा सरकार प्रदेश में एक इंच भी नई रेल या मेट्रो लाइन बिछाने में सफल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल पुराने कार्यों का उद्घाटन और प्रचार करने में लगी हुई है, जबकि जनता आज भी नई रेल परियोजनाओं, बेहतर सड़क नेटवर्क, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का इंतजार कर रही है। प्रदेश के युवाओं, किसानों और कर्मचारियों से किए गए अनेक वादे आज भी अधूरे पड़े हैं। रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि हरियाणा की जनता अब केवल भाषण नहीं, बल्कि धरातल पर विकास देखना चाहती है। प्रधानमंत्री जींद आए हैं तो उन्हें प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी, उद्योगों के विस्तार और नई रेल परियोजनाओं जैसी ठोस घोषणाएं करनी चाहिए थी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विकास की राजनीति में विश्वास रखती है और प्रदेश के लोगों के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

जिला कलक्टर के निर्देश पर जिले के 100 से अधिक विद्यालयों में मिड डे मील का औचक निरीक्षण, बच्चों के साथ बैठकर ग्रहण किया भोजन

बारां, राज्य सरकार के निदेर्शों की पालना में जिले के स्कूली बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में शनिवार को जिले के सभी ब्लॉकों में 100 से अधिक राजकीय विद्यालयों में मिड डे मील योजना का औचक निरीक्षण कराया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीमों ने विद्यालयों में पहुंचकर रसोईघर, भोजन बनाने की प्रक्रिया, साफ-सफाई, मेन्यू के अनुसार भोजन, सामग्री का भण्डारण एवं बच्चों की उपस्थिति की गहन जांच की। अधिकारियों ने बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर भोजन भी ग्रहण किया तथा बच्चों से भोजन की गुणवत्ता, स्वाद और समय पर भोजन मिलने के संबंध में फीडबैक लिया।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बटावदी में किया औचक निरीक्षण

जिला कलक्टर असावा ने अंता ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बटावदी का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय पहुंचने पर उन्होंने कक्षाओं का अवलोकन कर बच्चों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। मिड डे मील के समय जिला कलक्टर ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, परोसने की व्यवस्था एवं मेन्यू के अनुसार भोजन बन रहा है या नहीं, इसकी बारीकी से जांच की।

रसोइयों को निर्देश दिए कि भोजन बनाने में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। मेन्यू के अनुसार ही भोजन तैयार किया जाए और सभी बच्चों को समय पर भोजन उपलब्ध कराया जाए। बच्चों ने भोजन को स्वादिष्ट बताया और प्रसन्नता व्यक्त की।

अधिकांश स्थानों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक

जिले भर में किए गए निरीक्षण में अधिकांश विद्यालयों में मिड डे मील की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। बच्चों ने भोजन की सराहना की। कुछ विद्यालयों में रसोईघर, भण्डारण एवं साफ-सफाई संबंधी छोटी कमियां पाई गईं। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इन कमियों को 3 दिवस में दूर कर पालना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले के प्रत्येक बच्चे को समय पर पौष्टिक, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो ताकि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर हो सके।

यूजी, पीजी, डिप्लोमा सहित सभी पाठ्यक्रमों के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

धौलपुर(धर्मेन्द्र बिधौलिया) वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय (वीएमओयू), कोटा द्वारा अकादमिक सत्र जुलाई 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे प्रवेश के लिए वीएमओयू पोर्टल पर यूजी, पीजी, डिप्लोमा सहित सभी पाठ्यक्रमों के लिए आनलाइन आवेदन कर सकेगें क्षेत्रीय केन्द्र, भरतपुर के निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र सहित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत अधिकांश पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू की जा चुकी है विद्यार्थी प्रवेश से पहले विवरणिका का अध्ययन अवश्य करें। ई-मित्र, नेट बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से शुल्क जमा कर अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेगे क्षेत्रीय केन्द्र, भरतपुर के सहायक कुलसचिव एस.बी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.एल. वर्मा के मार्गदर्शन में सूचना एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से उच्च शिक्षा से वंचित

विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से जोड़कर घर बैठे उच्च शिक्षा का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई तक चलने वाली प्रवेश प्रक्रिया के तहत विद्यार्थी घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकेगे। डिजिटल अध्ययन सामग्री का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थियों को शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। वहीं, महिला विद्यार्थियों की पूरी फीस का पुनर्भरण राज्य सरकार द्वारा किए जाने से उन्हें निःशुल्क शिक्षा का लाभ मिलेगो इसके साथ ही एससी, एसटी विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा इन पाठ्यक्रमों में शुरू हुए प्रवेश अध्ययन केंद्र धौलपुर के मुख्य समन्वयक डॉ गिर्राज सिंह मीना ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम बीए, बीएससी, बीजे, बीएलआईएस तथा स्नातकोत्तर में अर्थशास्त्र, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, पुलिस प्रशासन, हिन्दी, इतिहास, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, भूगोल, शामिल है। इसके अलावा एमकाम, एमबीए, एमएससी, गणित, की भी सुविधा है। कम्प्यूटर विज्ञान में भी पीजी कर सकते है। योगा, मास कम्युनिकेशन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, संस्कृत एवं पर्यटन, जलग्रहण प्रबंध, कम्प्यूटर में डिप्लोमा व फलित ज्योतिष, महात्मा गाँधी नरेगा, कर्मकांड में सर्टिफिकेट के पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। गांव एवं तहसील स्तर के छात्रों, रोजगार प्राप्त व्यक्ति, कम पढ़े लिखे व्यक्तियों के लिए पंचायतीराज प्रोजेक्ट नरेगा मेट एवं सामाजिक समस्याओं संबंधी महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थी घर बैठे प्राप्त कर सकता है।

प्रताप नगर थाने में पुलिस आयुक्त की जनसुनवाई, कई परिवादियों को मौके पर मिली राहत

संवाददाता सुरेन्द्र कुमार सोनी आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जयपुर पुलिस आयुक्त श्री सचिन मित्तल ने शनिवार को पुलिस थाना प्रताप नगर में जनसुनवाई की। इस दौरान सांगानेर सर्किल के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों की परिवेदनाएं सुनकर कई मामलों में मौके पर ही राहत दिलाई गई। साथ ही, शेष प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवादियों ने सीधे पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं अपनी बात जनसुनवाई में प्रताप नगर, सांगानेर, मालपुरा गेट और रामनगरिया थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों ने अपनी बात सीधे पुलिस आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत कीं। प्रत्येक परिवाद की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, संवेदनशील और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

हर परिवाद का प्रभावी समाधान प्राथमिकता

पुलिस आयुक्त श्री मित्तल ने कहा कि थाना स्तर पर नियमित जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन को बिना अनावश्यक विलंब के राहत उपलब्ध कराना और पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए पीड़ित को समय पर न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

विभिन्न प्रकार के मामलों पर हुई सुनवाई

जनसुनवाई के दौरान आपसी विवाद, पारिवारिक प्रकरण, भूमि एवं संपत्ति संबंधी विवाद, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित विभिन्न मामलों में परिवाद प्राप्त हुए। सभी प्रकरणों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) श्री ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त पूर्व श्रीमती रंजीता शर्मा सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जयपुर पुलिस आयुक्त श्री मित्तल द्वारा पूर्व में एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, बस्सी, शिवदासपुरा, चौमूं, आमेर, रामगंज, चित्रकूट, मालवीय नगर एवं जामडोली में भी जनसुनवाई आयोजित कर आमजन को राहत प्रदान की जा चुकी है।

विधाधर नगर थाना पुलिस द्वारा वांछित ईनामी अपराधी जुबैर उर्फ इरफान उर्फ भूरिया को किया गिरफ्तार

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) श्री करण शर्मा ने बताया कि श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय आयुक्तालय जयपुर के आदेशानुसार जयपुर आयुक्तालय मे ईनामी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चला हुआ है। पुलिस थाना विधाधर नगर जयपुर उत्तर पर दर्ज अभियोग संख्या 208/2026 धारा 119 (1), 324(4), (5), 79 बीएनएस मे वांछित आरोपी / अभियुक्त जुबैर उर्फ इरफान उर्फ भूरिया पुत्र श्री युसुफ खान उम्र 27 वर्ष निवासी मकान नंबर सीएल-13 डबल स्टोरी विधाधर नगर जयपुर की गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये के ईनाम की घोषणा हो रखी है। उक्त ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी व दस्तयाबी हेतु श्रीमान अति० पुलिस उपायुक्त उत्तर (द्वितीय) श्री बजरंग सिहं शेखावत एवं सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्रीनगर श्री हंसराज बैरवा के सुपरविजन एवं श्री हिम्मत सिहं पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना विधाधर नगर जयपुर (उत्तर) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। थाना स्तर पर गठित टीम द्वारा फरार ईनामी अपराधी जुबैर उर्फ इरफान उर्फ भूरिया पुत्र श्री युसुफ खान उम्र 27 वर्ष निवासी मकान नंबर सीएल-13 डबल स्टोरी विधाधर नगर जयपुर हाल किरायेदार मकान नम्बर एफ.एफ.-278 जेडीए कॉलोनी रोड नम्बर 17, पुलिस थाना विश्वकर्मा जयपुर की तकनिकी आधार पर तलाश कर टीम द्वारा दस्तयाब किया गया है एवं बाद अनुसंधान प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है, जिससे प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

अधिवक्ताओं ने सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विनोद कुमार कसारा का किया अभिनंदन

रिपोर्टर सुरज वर्मा भीलवाड़ा में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ के भीलवाड़ा शहर जिलाध्यक्ष पद पर एडवोकेट विनोद कुमार कसारा के मनोनयन पर न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

यह मनोनयन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम स्वामी की अनुशंसा पर किया गया है।

कसारा के जिलाध्यक्ष बनने पर अधिवक्ताओं एवं कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा।

इस अवसर पर अधिवक्ता पीरु सिंह गौड़, मनोज खोईवाल, किशोर गहलोत, सुरेशदास वैष्णव, नवीन चेचानी, ओमप्रकाश टांक, श्रवण कुमार सोनी, ओमप्रकाश शर्मा सहित अनेक अधिवक्ताओं ने एडवोकेट विनोद कुमार कसारा का माला पहनाकर, साफा बांधकर एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वागत समारोह के दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि एडवोकेट विनोद कुमार कसारा अपने नए।

दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जनसंवाद में गूंजी अवैध बजरी खनन की गूंज, एसपी सागर राणा बोले–माफियाओं पर होगी निर्णायक कार्रवाई

रिपोर्टर सुरज वर्मा फूलियाकलां में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने फूलियाकलां थाना परिसर में सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ जनसंवाद किया। बैठक में ग्रामीणों ने कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात एवं अवैध गतिविधियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिन पर एसपी ने गंभीरता से चर्चा करते हुए त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

बैठक के दौरान धनोप के प्रशासनिक प्रतिनिधि लक्ष्मण वैष्णव ने क्षेत्र की नदियों में लगातार हो रहे अवैध बजरी खनन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली गांवों और विद्यालयों के सामने से तेज रफ्तार में गुजरते हैं, जिससे हर समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि शिकायत के बावजूद पुलिस के पहुंचने से पहले ही बजरी माफिया सूचना तंत्र के कारण मौके से फरार हो जाते हैं। एसपी सागर राणा ने इस गंभीर मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अवैध खनन और बजरी माफियाओं के खिलाफ प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने तथा शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक से पूर्व सीएलजी सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिला पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। इसके बाद एसपी ने फूलियाकलां थाने का निरीक्षण कर अभिलेखों, कार्यालय व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर पुलिसिंग, आमजन से संवेदनशील व्यवहार तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अंजुम कायल, वृत्ताधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई, थानाधिकारी दिनेश कुमार, तहसीलदार रामदेव धाकड़ सहित बड़ी संख्या में सीएलजी सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

अवैध तरीके से चला रहे हुक्का बार पर ठएड BAR CLUB मैनेंजर को किया गिरफ्तार

पुलिस उपायुक्त, जिला जयपुर (पूर्व) श्रीमती रंजीता शर्मा (IPS) ने बताया कि जिला जयपुर (पूर्व) मे अवैध तरीके से चल रहे हुक्का बार के संचालको के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने के लिए जिला जयपुर (पूर्व) के सभी थानाधिकारियो को निर्देश दिए जाकर श्रीमान पारसमल जैन, अति. पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) को कार्यवाही करवाने बाबत निर्देशित किया गया था, जिसके तहत श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर जयपुर (पूर्व) के सुपुरविजन में थाना बजाज नगर ईलाका में कार्यवाही हेतु रामधन डोभाल, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी पुलिस थाना बजाज नगर जयपुर (पूर्व) के नेतृत्व में गिरवर सिंह एसआई, श्री रामवतार कानि. 11433, श्री महेन्द्र कानि. 10946 व चालक जगन सिहं कानि. 5992 की टीम गठित की गई। गठित टीम के सदस्य रवाना होकर थाना ईलाका में अवैध रूप से हुक्का बार चला रहे ठएड इअफउछवइ पर दबिश देकर 05 हुक्का, 05 चिलम, 05 पाईप, 01 चिमटा, 03 खुले हुये।

डायमंड हार्बर में अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के सामने बने शेड पर चला बुलडोजर, प्रशासन ने की कार्रवाई

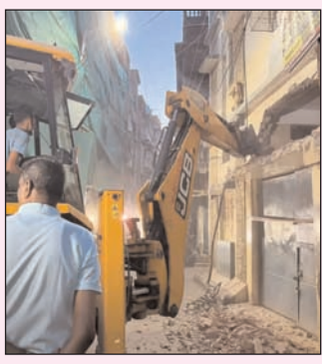

कोलकाता, दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर के आमतला स्थित तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय परिसर के सामने बने एक शेड पर शनिवार सुबह प्रशासन ने कार्रवाई की। भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर नीले रंग के शेड को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। प्रशासन के अनुसार, कार्यालय से संबंधित पांच मंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शिकायत प्राप्त हुई थी कि इसका निर्माण स्वीकृत भवन योजना (बिल्डिंग प्लान) के बिना किया गया है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर निर्धारित तिथि पर सुनवाई के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों का दावा है कि तय समय पर कोई भी पक्ष अपना पक्ष रखने के लिए उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।शनिवार सुबह पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल ने पूरे परिसर को अपने घेरे में ले लिया। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), भूमि एवं भूमि सुधार विभाग (बीएलआरओ) तथा दमकल विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की निगरानी में बुलडोजर की सहायता से कार्यालय के सामने बना शेड हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई भी कानूनी प्रक्रिया के तहत की जाएगी, हालांकि अगले चरण को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।सूत्रों के अनुसार, दक्षिण 24 परगना प्रशासन ने 30 जून को अमित बनर्जी, मति मल्लिक और सुषांत मंडल के नाम नोटिस जारी किया था।

नोटिस में उन्हें 15 जुलाई को दोपहर दो बजे संबंधित विभाग के समक्ष दस्तावेजों और साक्ष्यों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया था। बताया गया कि यह नोटिस सुषांत मंडल की शिकायत के आधार पर जारी किया गया था।

प्रशासन का आरोप है कि नोटिस के बावजूद कार्यालय की ओर से कोई प्रतिनिधि सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद कार्रवाई का निर्णय लिया गया।उल्लेखनीय है कि इससे पहले 24 मई को कोलकाता के ईएम बाइपास स्थित मैदानपुकुर इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य पार्टी कार्यालय पर भी प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की थी। उस समय स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2011 के बाद वहां पहले एक क्लब का निर्माण किया गया और बाद में उसे पार्टी कार्यालय में परिवर्तित कर दिया गया। स्थानीय निवासियों ने उस परिसर में अतिक्रमण तथा अन्य कथित अवैध गतिविधियां संचालित होने के भी आरोप लगाए थे।

विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का 19 जुलाई को कोलकाता में होगा भूमि पूजन, अमित शाह करेंगे कई सहकारी परियोजनाओं का शुभारंभ

कोलकाता, हावड़ा फूड पार्क में स्थापित की जा रही इस डेयरी परियोजना के पूरा होने पर प्रतिदिन 30 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण किया जा सकेगा। संयंत्र में रोजाना 10 लाख किलोग्राम दही और अन्य कल्चर्ड डेयरी उत्पाद तैयार होंगे। इसके अलावा प्रतिदिन 10 लाख लीटर पैकेज्ड दूध, दो लाख लीटर यूएचटी दूध, एक लाख लीटर आइसक्रीम, 20 मीट्रिक टन पनीर, 10 मीट्रिक टन घी, 10 मीट्रिक टन मिठाई और लगभग ढाई लाख पैक फ्लेवर्ड मिल्क के उत्पादन की भी क्षमता होगी।इस परियोजना से पश्चिम बंगाल के 1.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इनमें 30 हजार से अधिक महिला दुग्ध उत्पादक भी शामिल हैं। वर्तमान में अमूल के सहकारी नेटवर्क के माध्यम से राज्य में प्रतिदिन करीब नौ लाख लीटर दूध का संग्रह किया जा रहा है। नई परियोजना से आधुनिक प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और आय के नए अवसर मिलेंगे।कार्यक्रम के दौरान अमित शाह पश्चिम बंगाल में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत नवगठित 200 से अधिक डेयरी सहकारी समितियों में से एक समिति को पंजीकरण प्रमाण-पत्र सौंपेंगे। साथ ही नवपंजीकृत 11 बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समितियों में से एक प्रतिनिधि समिति को भी प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगे।इस अवसर पर सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालय के कम्प्यूटरीकरण के तहत विकसित ी-फ्लर पोर्टल का भी शुभारंभ किया जाएगा। यह पोर्टल सहकारी समितियों के पंजीकरण और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक सरल बनाने में मदद करेगा।

अमित शाह विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत पश्चिम बंगाल के 10 जिलों में लगभग 5.98 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 14 भंडारण गोदामों का शिलान्यास भी करेंगे। इन गोदामों की कुल भंडारण क्षमता 1,400 मीट्रिक टन होगी। इसके अलावा दक्षिण 24 परगना और कूचबिहार में 73.61 लाख रुपये की लागत से निर्मित 100-100 मीट्रिक टन क्षमता वाले दो गोदामों का उद्घाटन भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान भारत टैक्सी और पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के बीच राज्य में मोबिलिटी सेवाओं के विस्तार के लिए एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान भी होगा।

केंद्र सरकार का कहना है कि इन पहलों से पश्चिम बंगाल में डेयरी सहकारिता, ग्रामीण भंडारण, डिजिटल सहकारी प्रशासन और सदस्य आधारित मोबिलिटी सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही किसानों, दुग्ध उत्पादकों और ग्रामीण सहकारी संस्थाओं के लिए आर्थिक अवसरों का विस्तार होगा और राज्य में श्वेत क्रांति का नया अध्याय शुरू होगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 19 जुलाई को कोलकाता के न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर में अमूल बंगाल डेयरी परियोजना के तहत विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन करेंगे। करीब 700 करोड़ रुपये की इस परियोजना के जरिए पश्चिम बंगाल में डेयरी सहकारिता को नई गति देने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जाएगा। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सहित सहकारी क्षेत्र के कई प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

एसएससी भर्ती रद्द होने से प्रभावित शिक्षिका की मौत, अधिकाधिक नींद की गोलियां लेने की आशंका

पुरुलिया, जिले में एसएससी भर्ती रद्द होने से प्रभावित 34 वर्षीय शिक्षिका ईप्सिता दास महापात्र की शनिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मृत्यु अत्यधिक मात्रा में नींद की गोलियां लेने के कारण हुई। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ईप्सिता का नाम वर्ष 2016 की एसएससी पैनल सूची में था। वह पुरुलिया-2 ब्लॉक के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 तक बंगाली विषय पढ़ाती थीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 26 हजार शिक्षकों और शिक्षाकर्मियों की नियुक्तियां रद्द होने से उनकी नौकरी भी समाप्त हो गई थी। वर्ष 2025 की एसएलएसटी परीक्षा में वह मेरिट सूची में स्थान नहीं बना सकीं। इस कारण उनकी सेवा अवधि 31 अगस्त, 2026 तक ही निर्धारित की गई थी।

परिजनों का कहना है कि ईप्सिता ने किसी को पैसे देकर नौकरी नहीं पाई थी और वह एक योग्य अभ्यर्थी थीं। नौकरी खोने की आशंका और भविष्य की अनिश्चितता के कारण वह लंबे समय से मानसिक अवसाद से जूझ रही थीं तथा नियमित रूप से नींद की दवाएं ले रही थीं। गुरुवार को उन्हें घर से गंभीर हालत में बरामद कर पुरुलिया सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अत्यधिक मात्रा में नींद की गोलियां लेने के कारण उनकी मौत हुई। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और पुरुलिया सदर थाना पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद योग्य शिक्षक-शिक्षिका अधिकार मंच ने एक बयान जारी कर इस मौत के लिए एसएससी को जिम्मेदार ठहराया। संगठन ने कहा कि 26 हजार शिक्षकों और शिक्षाकर्मियों की नौकरी रद्द होने के बाद यह एक और दुखद मौत है। संगठन का दावा है कि नौकरी की अनिश्चितता और मानसिक दबाव के कारण कई शिक्षक-शिक्षिकाएं गंभीर अवसाद का सामना कर रहे हैं। मंच के पुरुलिया कोर कमेटी के सदस्य शुभाशीष पान ने कहा कि 31 अगस्त तक सेवा अवधि निर्धारित किए जाने के बावजूद सरकार ने योग्य शिक्षकों के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया है।

श्रीरामपुर में तृणमूल पार्षदों के घरों के बाहर भाजपा का प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

हुगली, हुगली जिले के श्रीरामपुर नगर पालिका क्षेत्र में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर तृणमूल कांग्रेस के पार्षदों के घरों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित पार्षदों से शाम पांच बजे तक इस्तीफा देने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय तक इस्तीफा नहीं दिया गया तो उनके घरों के बाहर धरने पर बैठा जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रीरामपुर नगर पालिका के वार्ड संख्या 15 की पार्षद झूमा शील, वार्ड संख्या 17 के पार्षद मिलन मुखर्जी, वार्ड संख्या 10 की पार्षद बेबी घोष तथा वार्ड संख्या 22 की पार्षद तियाशा मुखर्जी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पार्षदों के खिलाफ नारेबाजी की गई और उनसे तत्काल पद छोड़ने की मांग की गई।

भाजपा नेताओं का आरोप है कि नगर पालिका में व्याप्त विभिन्न अनियमितताओं और हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर संबंधित पार्षदों को नैतिक आधार पर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 29 वार्डों वाली श्रीरामपुर नगर पालिका में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद चेयरमैन और वाइस चेयरमैन सहित अब तक नौ तृणमूल पार्षद अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में शेष पार्षदों पर भी इस्तीफे का दबाव बढ़ता दिखाई दे रहा है।

रिषड़ा नगरपालिका भंग करने की नोटिस, राज्य सरकार ने तीन दिनों में मांगा जबाव

हुगली, पश्चिम बंगाल सरकार के शहरी विकास एवं नगर प्रशासन विभाग ने हुगली जिले की रिषड़ा नगरपालिका के बोर्ड ऑफ काउंसिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिनों में स्पष्टीकरण देने को कहा है। सरकार ने पूछा है कि नगरपालिका बोर्ड को क्यों न भंग कर दिया जाए। शनिवार को नगरपालिका सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह आदेश 17 जुलाई 2026 को विभाग की ओर से जारी किया गया।

आदेश के अनुसार, हुगली के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एएम) ने 15 जुलाई को राज्य सरकार को भेजी अपनी रिपोर्ट में बताया कि रिषड़ा नगरपालिका में उत्पन्न गतिरोध के कारण नागरिक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि नगरपालिका के आठ पार्षदों के इस्तीफे के बाद सामान्य प्रशासनिक कार्यों और आवश्यक नागरिक सुविधाओं के संचालन में गंभीर कठिनाइयां पैदा हो गई हैं।

नगरपालिका के कार्यपालक अधिकारी (एक्जीक्यूटिव ऑफिसर) ने भी 15 जुलाई को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को पत्र भेजकर जानकारी दी थी कि आठ पार्षदों के इस्तीफे से नगरपालिका का नियमित कामकाज बाधित हो रहा है और आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसके आधार पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने शहरी विकास एवं नगर प्रशासन विभाग से हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

राज्य सरकार ने आदेश में कहा है कि आठ पार्षदों के इस्तीफे के कारण बोर्ड ऑफ काउंसिलर्स का सामान्य कामकाज पश्चिम बंगाल नगरपालिका अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुरूप संचालित नहीं हो पा रहा है।

इससे अधिनियम के तहत नगरपालिका की वैधानिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए पश्चिम बंगाल नगरपालिका अधिनियम, 1993 की धारा 431(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल ने रिषड़ा नगरपालिका के बोर्ड ऑफ काउंसिलर्स को आदेश जारी किया है कि आदेश जारी होने की तिथि से तीन दिनों के भीतर यह स्पष्ट करें कि उपर्युक्त कारणों के आधार पर नगरपालिका बोर्ड को भंग क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

महिला वकील पर हमले का आरोप पूर्व तृणमूल पार्षद बाप्पादित्य दासगुप्ता पर, पटुली थाने में शिकायत

कोलकाता, कोलकाता नगर निगम के पूर्व तृणमूल कांग्रेस पार्षद बाप्पादित्य दासगुप्ता पर एक महिला अधिवक्ता पर हुए कथित चाकू हमले में सहयोग देने का आरोप लगा है। पीड़िता ने शनिवार को पटुली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि बाप्पादित्य से जुड़े मामले की पैरवी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा था और इसी सिलसिले में उन पर हमला किया गया। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बाप्पादित्य दासगुप्ता को पहले ही रंगदारी, धमकी और अन्य आरोपों में पटुली थाना पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता उनके खिलाफ दर्ज मामले की कानूनी प्रक्रिया से जुड़ी हुई हैं। उनका आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें पेशेगत कारणों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं, क्योंकि वह बाप्पादित्य दासगुप्ता और सौरभ घोष से संबंधित मामलों की पैरवी कर रही थीं। महिला अधिवक्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने इस संबंध में पहले ही पटुली थाने के प्रभारी, कोलकाता पुलिस आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत दी थी।

आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए शुक्रवार रात जब वह पटुली थाने जा रही थीं, तभी कुछ बदमाशों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और चाकू से कई वार किए। हमले में उनके हाथों पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि जिस सौरभ घोष का नाम शिकायत में शामिल है, वह पटुली क्षेत्र में बाप्पादित्य दासगुप्ता के वार्ड का तृणमूल युवा कांग्रेस अध्यक्ष बताया जाता है। पुलिस उसे भी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

बाप्पादित्य दासगुप्ता कोलकाता नगर निगम के वार्ड संख्या 101 के पूर्व पार्षद रह चुके हैं।

वह पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में थे और वर्ष 2010 में पार्थ चटर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। वर्ष 2015 में पहली बार पार्षद चुने गए। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद उन पर और सौरभ घोष पर भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों में तोड़फोड़ कराने के आरोप भी लगे थे। वर्तमान में दोनों पुलिस हिरासत में हैं।

हालांकि महिला अधिवक्ता की शिकायत के बावजूद इस मामले में अभी तक औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पुलिस शिकायत की जांच कर रही है।

आरामबाग मेडिकल कॉलेज में दूसरे प्रवेश द्वार का निर्माण शुरू, आपातकालीन सेवाओं को मिलेगी बड़ी राहत

हुगली, लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए आरामबाग प्रफुल्ल चंद्र सेन सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दूसरे प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य की शनिवार को औपचारिक शुरूआत हो गई। बीडीओ कार्यालय के सामने स्थित अस्पताल की परिधि दीवार का एक हिस्सा हटाकर निर्माण कार्य के प्रारंभिक चरण का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर आरामबाग के विधायक हेमंत बाग, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रमाप्रसाद राय तथा अस्पताल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अस्पताल में दूसरे प्रवेश द्वार की मांग लंबे समय से उठ रही थी। निर्माण कार्य शुरू होने से अस्पताल प्रशासन और स्थानीय लोगों में संतोष का माहौल है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, नया प्रवेश द्वार शुरू होने के बाद आपातकालीन विभाग तक सीधी पहुंच सुनिश्चित होगी। वर्तमान में अस्पताल में केवल एक मुख्य प्रवेश द्वार होने के कारण कई बार गंभीर मरीजों और एम्बुलेंस को अस्पताल पहुंचने में देरी होती है। दूसरा गेट बनने से एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को सीधे इमरजेंसी विभाग तक पहुंचने में सुविधा होगी, जिससे गंभीर मरीजों का उपचार बिना विलंब शुरू किया जा सकेगा।

अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने की दिशा में इस परियोजना को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई प्रशासनिक पहल के तहत वर्षों से लंबित इस परियोजना पर काम शुरू होने से आरामबाग महकमा के लाखों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दूसरे प्रवेश द्वार के निर्माण से न केवल मरीजों के आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि अस्पताल परिसर में वाहनों का दबाव भी कम होगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियां भी काफी हद तक कम होंगी।

प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने इसे आरामबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

हरिपाल में प्रशासनिक बैठक, श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों में सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं पर विशेष जोर

हुगली, श्रावणी मेला-2026 के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर शनिवार को हुगली जिले के हरिपाल ब्लॉक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राज्य के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) एवं श्रम राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य, राज्य मंत्री सुमना सरकार, तारकेश्वर के विधायक संतु पान तथा प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम, भीड़ नियंत्रण की विशेष रणनीति, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा मेले के समग्र संचालन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रशासन ने बताया कि सभी विभागों के समन्वय से इस वर्ष श्रावणी मेले को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने की दिशा में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि आम जनता, स्वयंसेवी संगठनों और विभिन्न सरकारी विभागों के संयुक्त प्रयास से श्रावणी मेला-2026 का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

बंगाल में मानसून सक्रिय, उत्तर बंगाल के लिए रेड अलर्ट

कोलकाता, आषाढ़ के बाद श्रावण मास की शुरूआत के साथ ही पश्चिम बंगाल में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शनिवार सुबह से कोलकाता का आसमान बादलों से घिरा रहा और रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रही। बीच-बीच में धूप निकलते भी देखा गया।

अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में छिटपुट बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। हालांकि कोलकाता में सोमवार तक किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मंगलवार से शहर में बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। शुक्रवार तक गरज-चमक के साथ बिखरी हुई वर्षा का पूर्वानुमान है।

मंगलवार को उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नदिया जिलों में भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण बंगाल के अधिकांश हिस्सों में गरज के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

वहीं उत्तर बंगाल के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में शनिवार और रविवार को अत्यधिक वर्षा होने की आशंका है। इन क्षेत्रों में 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज हो सकती है। इसके अलावा दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, कूचबिहार सहित उत्तर बंगाल के पर्वतीय और तराई क्षेत्रों में सोमवार तक 7 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से अति भारी वर्षा का अनुमान है। मंगलवार से उत्तर बंगाल में बारिश कुछ कम हो सकती है, हालांकि जलपाईगुड़ी और कालिम्पोंग में बुधवार तक भारी बारिश का पूर्वानुमान बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव क्षेत्र अब गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल तथा उससे सटे झारखंड और ओडिशा के ऊपर सक्रिय है। इसके साथ समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक चक्रवाती परिसंचरण भी मौजूद है। अगले 24 घंटों में इसके कुछ कमजोर पड़ने की संभावना है।

मानसूनी अक्ष रेखा पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी प्रदेश में प्रवेश कर रही है, जिससे विशेषकर उत्तर बंगाल में सप्ताहांत के दौरान भारी वर्षा की स्थिति बनी हुई है।

दक्षिण बंगाल में भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की संभावना है।

निम्न दबाव के प्रभाव से 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जबकि झोंकों की गति 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसे देखते हुए शनिवार तक पश्चिम बंगाल तट पर मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

शनिवार को कोलकाता का न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक है। वहीं शुक्रवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम दर्ज किया गया।

आरामबाग महकमा में श्रद्धा के साथ मनाई गई विपत्तारिणी पूजा, उमड़े श्रद्धालु

हुगली, श्रावण मास की शुभ तिथि पर शनिवार को हुगली जिले के आरामबाग महकमा के विभिन्न क्षेत्रों में बंगाल के प्रमुख लोकधार्मिक उत्सवों में से एक विपत्तारिणी पूजा श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाई गई। सुबह से ही मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना, व्रत, प्रसाद वितरण और मंगलकामना के कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पूरा महकमा भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

आरामबाग के वरिष्ठ विद्वान एवं पूर्व शिक्षक बामापद बनर्जी ने बताया कि लोकविश्वास के अनुसार विपत्तारिणी पूजा की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। उन्होंने कहा कि एक प्राचीन कथा के अनुसार, एक राजा लंबे समय तक संतानहीन था। रानी के गर्भवती होने के बाद उन्होंने एक दासी के सामने गोमांस खाने की इच्छा व्यक्त की। जब यह बात राजा तक पहुंची तो रानी संकट में पड़ गईं। ऐसे समय उन्होंने मां दुर्गा की आराधना की। भक्त की पुकार सुनकर देवी विपत्तारिणी के रूप में प्रकट हुईं और चमत्कारिक रूप से गोमांस को स्वादिष्ट फलों में परिवर्तित कर रानी की रक्षा की। जनश्रुति है कि तभी से संकटों से मुक्ति और परिवार की मंगलकामना के लिए श्रावण मास में विपत्तारिणी पूजा की परंपरा शुरू हुई।

बामापद बनर्जी ने कहा कि लोगों की मान्यता है कि जीवन के किसी भी संकट, विपत्ति या कठिन समय में मां विपत्तारिणी की आराधना करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और वे अपने भक्तों की रक्षा करती हैं।

इसी अटूट आस्था के कारण आज भी बंगाल के घर-घर में यह पूजा पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ की जाती है।

दिनभर आरामबाग महकमा के विभिन्न इलाकों में पूजा-अर्चना, व्रत, प्रसाद वितरण और श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी से उत्सव का माहौल बना रहा।

MEAM सीजन-3 क्विज में अशफाक उल्लाह खान टीम बनी विजेता, ज्ञान के साथ आत्मविश्वास का भी मिला संदेश

अजय सिंह (चिंटू) जयपुर - MEAM (मुस्लिम एजुकेशनल एंड अवेयरनेस मिशन) के यंग सिटीजन ऑफ इंडिया अभियान के तहत आयोजित सीजन-3 इंट्रा स्कूल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन जालूपुरा स्थित मेरी करियर पब्लिक स्कूल में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तार्किक सोच, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा।

प्रतियोगिता में मोहम्मद अली जौहर, सुरैया बी, अशफाक उल्लाह खान, फातिमा शेख और अल्लामा इकबाल के नाम से बनी पांच टीमों ने हिस्सा लिया। सभी टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दो बार टाई-ब्रेक की स्थिति बनने के बाद अशफाक उल्लाह खान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। सुरैया बी टीम द्वितीय और अल्लामा इकबाल टीम तृतीय स्थान पर रही। पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया।

कार्यक्रम में टएअट की महासचिव सारा इस्माईल ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण सीखने का जज्बा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की इच्छा होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों के मन से डर, झिझक और हिचकिचाहट को दूर कर उन्हें खुलकर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना ही इस मंच का उद्देश्य है।

सारा इस्माईल ने कहा कि "आज लगभग हर बच्चा शिक्षा प्राप्त कर रहा है, लेकिन केवल पढ़ाई ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षा के साथ संस्कार, समझ, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और व्यवहारिक ज्ञान भी जरूरी है। जब बच्चा वास्तव में शिक्षित बनेगा, तभी वह जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकेगा।" उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल सामान्य ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को सोचने, तर्क करने और अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की कला भी सिखाती है।

स्कूल के निदेशक मो. यूनुस खान ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को निखारते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समापन समारोह में विजेता टीमों को गिफ्ट एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर उनके उत्साहवर्धन के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

किन्नर मंदिर सेक्टर 26 में गुप्त नवरात्रि और सावन माह के उपलक्ष्य में विशेष पूजा अर्चना और हवन आयोजित

चंडीगढ़(अमरपाल नूरपुरी):-- गुप्त नवरात्रि और सावन के आगमन के उपलक्ष्य में किन्नर समाज द्वारा मां दुर्गा की आराधना बहुत ही पवित्र, गहरी और अनूठी मानी जाती है। सेक्टर 26 में किन्नर मंदिर में भी भव्य तरीके से गुप्त नवरात्रि और सावन के पवित्र महीने में मां दुर्गा की विशेष पूजा की जाती है। इस मौके पर महामंडलेश्वर कामिनी द्वारा यहां पर भव्य तरीके से मां दुर्गा की मूर्ति बनाकर प्रतिदिन उसकी पूजा की जाती है और प्रसाद बांटा जाता है व विशेष लंगर प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाता है। पूरे ट्राईसिटी में लोग बढ़-चढ़कर मां दुर्गा की आरती में शामिल होते हैं और महामंडलेश्वर किन्नर माता कामिनी जी का आशीर्वाद लोग यहां पर लेते हैं। कहते हैं माता का आशीर्वाद लेने के लिए लोग बड़े दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं और महामंडलेश्वर माता कामिनी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस मौके पर महामंडलेश्वर माता कामिनी (कमली माता) ने बताया कि जो भी मुराद इन दोनों मांगी जाती है, माता रानी वह पूरी करते हैं। इसलिए दूर-दूर से लोग यहां विशेष पूजा करने के लिए पहुंचते हैं। किन्नरों का आशीर्वाद बहुत शक्तिशाली माना जाता है और इस विशेष समय में उनकी पूजा के कुछ खास मायने होते हैं। उन्होंने ने बताया कि गुप्त नवरात्र 15 जुलाई से शुरू होकर 23 जुलाई तक चलेंगे। वहीं सावन महीने की शुरूआत 17 जुलाई शुक्रवार से हुई है। इन दोनों का हमारे समाज मे विशेष महत्व है। गुप्त नवरात्र में मंदिर में रोजाना 23 जुलाई तक पूजा होगी। 23 जुलाई को विधिवत पूजा अनुष्ठान के साथ समापन होगा।

पंजाबी और तमिल सावन महीने के उपलक्ष्य में हर शुक्रवार को विशेष पूजा पाठ होंगे। धार्मिक रीति रिवाज से सभी अनुष्ठान होंगे। हर शुक्रवार भक्तों में प्रसाद बांटा जाएगा। महामंडलेश्वर माता कामिनी ने बताया की गुप्त नवरात्रि गुप्त साधना और आंतरिक ऊर्जा (शक्ति) को जगाने के लिए समर्पित होती है।

मनीमाजरा और मौलीजागरां क्षेत्र में जल संकट गहराया: राजबीर सिंह भारतीय

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी) ऑल मनीमाजरा रेजिडेंट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर-13, चंडीगढ़ के अध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, चेयरमैन सुभाष धीमान झोपड़ीन तथा समाजसेवी रॉबर्ट विलियम ने मनीमाजरा, मौलीजागरां, विकास नगर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार गहराते जल संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के नागरिकों को आज भी उनकी सबसे मूलभूत आवश्यकता–स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल–उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों पहले मनीमाजरा, मौलीजागरां और आसपास के पूरे क्षेत्र में 45 के लगभग पानी सप्लाई के ट्यूबवेल नियमित रूप से लोगों को पानी की आपूर्ति करते थे। आज यह संख्या घटकर 30 से भी कम रह गई है। दूसरी ओर क्षेत्र की आबादी पिछले वर्षों में कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन जलापूर्ति के संसाधन बढ़ाने के बजाय लगातार कम होते गए हैं। यही कारण है कि अधिकांश क्षेत्रों में पानी कम समय के लिए और बेहद कम प्रेशर के साथ मिल रहा है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि 247 जलापूर्ति पायलट प्रोजेक्ट से लोगों को स्वच्छ, पर्याप्त और निर्बाध पानी देने का दावा किया गया था, लेकिन यह परियोजना जमीनी स्तर पर अपनी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी। आज भी अनेक घरों में गंदा, मटमैला और मिट्टीयुक्त पानी पहुंच रहा है। इस पानी से कपड़े खराब हो रहे हैं, बर्तनों पर गंदगी जम रही है और भोजन बनाने तथा पीने के लिए इसका उपयोग करना लोगों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बन गया है। यदि लोगों तक गुणवत्तापूर्ण पानी ही नहीं पहुंच रहा, तो इस परियोजना के उद्देश्य पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

वनिता इंस्टीट्यूट के ओरिएंटेशन में फैशन से लेकर स्वास्थ्य तक का मिला व्यावहारिक ज्ञान

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी, 18 जुलाई। लहुराबीर स्थित वनिता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन वनिता पॉलिटेक्निक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर चार दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी छात्राओं को फैशन उद्योग स्वास्थ्य जागरूकता टेक्सटाइल डिजाइन ब्रांडिंग एवं करियर की संभावनाओं से परिचित कराना रहा कार्यक्रम के प्रथम दिवस संस्थान के संयोजक धवल प्रकाश ने कहा कि फैशन केवल कपड़े पहनने का तरीका नहीं बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति हमारी संस्कृति सोच और सामाजिक स्थिति का दर्पण है यह लोगों को जोड़ने के साथ आर्थिक और कलात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है वहीं वाराणसी के प्रसिद्ध डिजिटल क्रिएटर एवं फोटोग्राफर रजत गुप्ता ने छात्राओं को अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों को दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जागरूकता सत्र के अंतर्गत आईएमएस बीएचयू के डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमिस्ट्री के प्रमुख डॉ. कमलेश एम तथा प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखा सचान ने आनुवंशिक विकार जेनेटिक डिसऑर्डर गर्भावस्था एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं दूसरे दिन वाराणसी की फैशन डिजाइनर एवं ब्यूटी एक्सपर्ट नायला ने फैशन के साथ सौंदर्य संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तीसरे दिन बीएचयू की टेक्सटाइल डिजाइन विशेषज्ञ डॉ. जसमिन्दर कौर ने टेक्सटाइल डिजाइन के महत्व एवं रोजगार की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी वहीं वनमलिनय कॉचर की निदेशिका मिस तरूणा सेठ ने गुणवत्तापूर्ण फिनिशिंग ब्रांडिंग और रचनात्मकता के माध्यम से परिधानों को सफलतापूर्वक बाजार तक पहुंचाने के गुर बताए संस्थान की पूर्व छात्रा एवं फैशन डिजाइनर कु. खुशी सेठ ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राओं को संस्थान से मिलने वाले व्यावहारिक एक्सपोजर की जानकारी दी ओरिएंटेशन के अंतिम दिन वरिष्ठ छात्राओं ने नवागत छात्राओं को संस्थान में संचालित पाठ्यक्रम की बारीकियों को लगन एवं समर्पण के साथ सीखने की सलाह दी कार्यक्रम में संस्थान की प्राचार्या प्रीती अग्रवाल एवं डिग्री विभाग की एचओडी बॉबी सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया इस अवसर पर संस्थान की समस्त अध्यापिकाएं एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे कार्यक्रम के समापन की घोषणा रागिनी सिंह ने की।

फरीदाबाद जिला न्यायालय परिसर में सेवा, संस्कार और पर्यावरण का अनूठा संगम

फरीदाबाद, जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-12 में शनिवार को आयोजक एडवोकेट एवं समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी के नेतृत्व में सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सम्मान को समर्पित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 101 पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान, पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 101 लोगों का सम्मान समारोह तथा भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बार एसोसिएशन, फरीदाबाद के प्रधान राजेश बैंसला एवं महासचिव टीका डागर द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर आयोजक एडवोकेट एवं समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी ने दोनों पदाधिकारियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

जिला बार एसोसिएशन ने आधिकारिक रूप से डॉ. मोहन तिवारी के नेतृत्व में 101 पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान का शुभारंभ कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अभियान में प्रकृति भक्त फाउंडेशन के संस्थापक राजेश शर्मा का विशेष सहयोग रहा। उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लिया।

इसके उपरांत न्यायालय परिसर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी ओजपूर्ण, हास्य एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में समाज, न्याय, पत्रकारिता, शिक्षा, पर्यावरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 101 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला, महासचिव टीका डागर, उपप्रधान आशीष कौशिक, कोषाध्यक्ष विवेक कौशिक, पूर्व महासचिव संदीप पराशर, पूर्व महासचिव ओम दत्त शर्मा, अधिवक्ता वंदना सिंह भाटी, वरिष्ठ भाजपा नेता बृजभूषण मिश्रा (बड़का बाबू), समाजसेविका सरिता तिवारी, समाजसेवी रामचंद्र तिवारी, समाजसेविका पिंकी सिंह, अधिवक्ता सुनीता पांडेय, अधिवक्ता डॉ. तरुण अरोरा, अधिवक्ता जीत सिंह भाटी, अधिवक्ता दुर्गेश भारती, अधिवक्ता राजेश पांडेय, कवि जय सिंह, कवि मुकेश अनमोल, कवयित्री अंजली सरदाना, कवयित्री सोनम, पुजारी विजय मिश्रा, अशोक शास्त्री सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, पत्रकार, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आयोजक एडवोकेट एवं समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी ने कहा कि समाज, पर्यावरण और संस्कृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी ही एक बेहतर भविष्य का आधार है।

लीवर रोगियों के लिए बड़ी राहत, पारस हेल्थ पंचकूला में शुरू हुआ एकीकृत लीवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम

पंचकूला (अमरपाल नूरपुरी) उत्तर भारत के लीवर रोगियों के लिए बड़ी राहत देते हुए पारस हेल्थ पंचकूला ने एकीकृत लीवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से मरीजों को जांच से लेकर ट्रांसप्लांट सर्जरी, ऑपरेशन के बाद गहन देखभाल, पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) और लंबे समय तक फॉलो-अप जैसी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। भारत में तेजी से बढ़ रही लीवर संबंधी बीमारियों और समय पर उपचार की आवश्यकता को देखते हुए शुरू किया गया यह प्रोग्राम मरीजों को अत्याधुनिक और समग्र उपचार प्रदान करेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डॉ. अंकुर गर्ग, डॉ. वैभव कुमार, प्रो. जीपी कैप्टन डॉ. सुमेश काइस्था, डॉ. राघव बंसल और डॉ. करण मिधा सहित विशेषज्ञों ने लीवर रोगों के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए समय पर जांच, मल्टीडिसिप्लिनरी उपचार और जरूरत पड़ने पर समय पर लीवर ट्रांसप्लांट की अहमियत पर जोर दिया।

पारस हेल्थ पंचकुला के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. पंकज मित्तल ने कहा, "लीवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की शुरूआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एडवांस्ड लीवर रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए कई बार ट्रांसप्लांट ही जीवन बचाने का एकमात्र विकल्प होता है। हमारा उद्देश्य उत्तर भारत के मरीजों को उनके घर के नजदीक विश्वस्तरीय ट्रांसप्लांट सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इलाज के लिए बड़े महानगरों का रुख न करना पड़े।"

बैंक ऑफ बड़ौदा वाराणसी अंचल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी ' बैंक ऑफ बड़ौदा अपना 119 वां स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मना रहा है । इसी क्रम में अपने सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी अंचल द्वारा होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल वाराणसी के सहयोग से आज 18 जुलाई 2026 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया शिविर में बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान करते हुए समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता एवं सेवा भावना का परिचय दिया इस अवसर पर कुल 41 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया जो गंभीर एवं जरूरतमंद मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान देगा इस अवसर पर मनोज कुमार बक्शी उप महाप्रबंधक कम्प्लीयंस & असन्शुरन्स भोला नाथ त्रिवेदी उप महाप्रबंधक बिजनेस डेवलपमेंट भारत भूषण क्षेत्रीय प्रमुख वाराणसी क्षेत्र तथा आनंद लखमानी उप क्षेत्रीय प्रमुख वाराणसी क्षेत्र की गरिमामयी उपस्थिति रही वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है रक्तदान शिविर में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल वाराणसी की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं डॉ. रेवती नायर के. एवं डॉ. रितु शर्मा के नेतृत्व में सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से रक्तदान की प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई।

अस्सी घाट पर शुरू हुआ ओपन स्पेस कला प्रदर्शनी

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी ' वाराणसी ललित कला काशी द्वारा तीन दिवसीय "'वर्थ एंड वर्शिप ओपन स्पेस कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ललित कला काशी प्रदर्शनी का समापन प्रो. सुरेश के. नायर के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ प्रदर्शनी का क्यूरेशन डॉ. प्रियंका चन्द्रा सहायक क्यूरेटर, भारत कला भवन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा किया गया जबकि आयोजन का सफल संयोजन युवा मूर्तिकार मनीष सिंह ने किया जहाँ समकालीन भारतीय कला को खुले सार्वजनिक परिवेश में प्रदर्शित किया गया प्रदर्शनी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवा एवं उभरते कलाकारों की कलाकृतियों ने कला प्रेमियों, पर्यटकों एवं आम जनमानस का विशेष आकर्षण प्राप्त किया प्रतिभागी कलाकार ऋतिक राज की कलाकृति को सुबहे-ए-बनारस स्थल पर आयोजित की प्रदर्शनी के दौरान सफलतापूर्वक विक्रयित हुई। यह उपलब्धि न केवल कलाकार के लिए, बल्कि समकालीन कला के प्रति बढ़ते जनविश्वास और कला संरक्षण की सकारात्मक दिशा का भी प्रतीक है ।

वेडिंग-टूरिज्म इंडस्ट्री का सबसे बड़ा कॉन्क्लेव - आईडब्ल्यूटीसी आज से होगा शुरू

अजय सिंह (चिंटू) जयपुर - भारत के विभिन्न राज्यों की पर्यटन संभावनाओं, सांस्कृतिक विरासत और वेडिंग डेस्टिनेशन को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना के उदेश से राजधानी, जयपुर के दिल्ली रोड स्थित फेयरमोंट होटल में आज (19 July) से दो दिवसीय इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्ल्यूटीसी) सीजन-3 की शुरूआत होगी। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी करेंगी जिनके साथ आंध्र प्रदेश के पर्यटन मंत्री कुंडला दुर्गेश विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने जयपुर आ चुके हैं। कॉन्क्लेव में देश-विदेश से वेडिंग, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। दिन का समापन शाम को एक नकली बारात जुलूस के साथ होगा।

कॉन्क्लेव के डायरेक्टर अरशद हुसैन ने बताया कि इस बार आंध्र प्रदेश पर्यटन आधिकारिक भागीदार है। कॉन्क्लेव के पहले दिन प्रदर्शनी का उद्घाटन, नेटवर्किंग सेशन और उद्घाटन समारोह के बाद पार्थिव त्यागराजन "बिग फैट वर्सेस इंटिमेट वेडिंग" विषय पर सत्र होगा। इसके अलावा ऋतुराज खन्ना, डॉ. अजय जैन, रजत सेठी, कैप्टन बाली, न्युएन टुंग हियू, जीन ल्यूक बेनहेम और सुनीत आर्या सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ वेडिंग और पर्यटन उद्योग के बदलते स्वरूप, वैश्विक अवसरों और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा करेंगे।

दिन का समापन शाम को एक नकली बारात जुलूस के साथ होगा। दूसरे दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेडिंग बजटिंग, बीच वेडिंग्स, सोशल मीडिया ट्रेंड्स और भारतीय वेडिंग मार्केट जैसे विषयों पर मास्टर क्लास और पैनल डिस्कशन होंगे और कॉन्क्लेव का समापन वेडवा इंडिया अवार्ड्स के साथ होगा।

सोजत में हुआ विशेष लोक अदालत का आयोजन

अकरम खान, सोजत। स्थानीय न्यायालय परिसर में शनिवार को माननीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पाली के निदेर्शानुसार तालुका स्तर पर विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों का आपसी राजीनामे के आधार पर निस्तारण कर पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराया गया।

विशेष लोक अदालत के लिए दो बेंचों का गठन किया गया। प्रथम बेंच की अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) श्रीमती रेखा रानी ने की, जबकि सदस्य के रूप में आनंदीलाल भाटी उपस्थित रहे। द्वितीय बेंच की अध्यक्षता अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट (एजेएम) श्रीमती कायनात शेख ने की तथा सदस्य के रूप में अधिवक्ता पंकज त्रिवेदी ने अपनी सेवाएं दीं।

दोनों बेंचों ने प्रकरणों में उपस्थित पक्षकारों को आपसी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से विवादों का समाधान करने के लिए प्रेरित किया। सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप कई मामलों का राजीनामे के आधार पर सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया।

लोक अदालत में निस्तारित प्रकरणों के संबंध में कुल 20 लाख रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। इस अवसर पर न्यायालय ने लोक अदालत की महत्ता बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था कम समय, कम खर्च और आपसी सौहार्द के साथ विवादों के समाधान का प्रभावी माध्यम है।

री-नीट परीक्षा में बी-स्क्वायर एकेडमी का शानदार प्रदर्शन, 11 विद्यार्थियों ने पाई सफलता, निदेशक नाथूराम थिरोदा ने कहा–लगन और सही मार्गदर्शन से हर सपना होगा साकार

मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ शहर के सिविल लाइन स्थित बी-स्क्वायर एके-डमी मे आज री-नीट परीक्षा 2026 में सफल परिणाम को लेकर विधार्थियो का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ ` जिसमे बी-स्क्वायर एकेडमी के 11 विधार्थियो ने एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी सफलता का परचम लहराया है। संस्थान के 11 विद्यार्थियों ने री-नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि मेड़ता शहर का भी नाम रोशन किया है। लगातार बेहतर परिणामों के चलते बी-स्क्वायर एके-डमी क्षेत्र में मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले अग्रणी संस्थानों में अपनी पहचान मजबूत कर रही है। संस्थान वर्ष 2011 से नीट अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

सफल विद्यार्थियों में पुनीत प्रजापत,मनीष,अनिल, जुनैद खान, ज्योति, महादेव मातवा, सुमन करवासरा,नीलम भंवरिया, ज्योति कंवर, विजय सिंह तथा लक्ष्मी राजेश जांगिड़ शामिल हैं। संस्थान परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों का माल्यार्पण एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अनुभवी शिक्षकों, नियमित टेस्ट सीरीज, अनुशासित अध्ययन और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

संस्थान के निदेशक नाथूराम थिरोदा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि बी-स्क्वायर एकेडमी का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं श्रेष्ठ मार्गदर्शन देकर उसे डॉक्टर बनने के सपने तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में संस्थान के विद्यार्थी और भी बेहतर राष्ट्रीय स्तर की रैंक हासिल करेंगे।

सुरेंद्र ने नीट में अनुसूचित जाति वर्ग में देशभर में हासिल की 80वीं रैंक

मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ समीपवर्ती ग्राम मोरा के होनहार छात्र सुरेंद्र पुत्र रामप्रसाद बडारिया ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के घोषित परिणाम में अनुसूचित जाति वर्ग में पूरे देश में 80वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, गांव और रेगर समाज का नाम रोशन किया है। सुरेंद्र की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सुरेंद्र के दादा स्वर्गीय भीकाराम बडारिया के परिवार में इस सफलता को ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। परिणाम घोषित होने के बाद परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों और समाज के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रैगर समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर सुरेंद्र ने यह सफलता प्राप्त कर समाज के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका कहना है कि यदि युवा पूरी लगन और मेहनत से लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें तो किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है। समाज के लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि सुरेंद्र भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। उनकी उपलब्धि से मोरा गांव सहित पूरे रेगर समाज में गर्व और उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

प्रेमी के दरवाजे पर पहुंची परिजन समेत प्रेमिका दुल्हन, प्रेमी परिजन घर में ताला मार हुआ फरार

वैशाली जिले अन्तर्गत कटहरा थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव निवासी एक युवक को मुजफ्फरपुर जिले में अपने प्रेमी से मिलने जाना महंगा पड़ा। परिजनों एवं ग्रामीणों ने मिलकर युवक को प्रेमिका से शादी करा दी।मालुम हो कि घटना गुरुवार की रात्रि में घटना घटित हुई है। जबकि शुक्रवार के अहले सुबह युवक फरार हो गया। वहीं परिजनों ने प्रेमिका को लेकर युवक के घर धमका। जिसके बाद ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी।इसी दौरान युवक व परिजन घर में ताला मारकर फरार हो गई।प्रेमिका चैनपुर गांव में युवक के दरवाजे पर शनिवार की देर शाम तक डटी हुई है।जो आसपास के क्षेत्रों में चर्चा बनी हुई है ? मिली जानकारी के अनुसार कटहरा थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव निवासी कुमोद राम के पुत्र चन्दन कुमार ने अपने प्रेमी मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र बखरी गांव निवासी सीताराम राम की पुत्री सुनीता कुमारी से गुरुवार की रात्रि में मिलने गया था। जहां परिजनों व ग्रामीणों ने प्रेमी-प्रेमिका को पकड़ कर शादी करा दी। शुक्रवार की अहले सुबह में मौका पाकर प्रेमिका को छोड़कर फरार हो गया। जिसके बाद प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी चंदन कुमार के दरवाजे पहुंचें। जहां युवक के परिजनों के द्वारा प्रेमिका के साथ नोंक-झोंक होने की बात सामने आयी है।

ग्रामीणों में चर्चा है कि प्रेमी चंदन कुमार पिछले दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक के परिजनों द्वारा पांच लाख रुपए व एक अपाची बाइक मिलने पर ही प्रेमिका को घर में रखने का विषय चर्चा में जोड़ शोर से की जा रही है। हालांकि इस घटना से संबंधित कोई सूचना नहीं दी गई।

इस मामले में स्थानीय अबाबकरपुर पंचायत के सरपंच प्रभु राम ने बताया कि प्रेमिका चंदन कुमार के परिजन घर से फरार है उनका मोबाइल भी बंद है। सम्पर्क स्थापित होते ही समस्या का समाधान कर दिया जायेगा।

421 लोगों ने जाना अपना स्वास्थ्य, 18 गंभीर मरीजों को मिला नया जीवन-सहारा

ब्यावरे(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ श्री सिंधी सेंट्रल पंचायत सोसायटी (रजि.), जिला ब्यावर एवं सिंधी आदि शक्ति सेवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, 18 जुलाई को एच.एल. पैलेस, चांग चितार रोड, ब्यावर में विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं सम्पूर्ण स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारम्भ संत शंभूलाल ने हिंगलाज माता, भगवान झूलेलाल एवं संत टेऊराम महाराज के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में 421 लोगों ने कम्प्लीट बॉडी चेकअप के माध्यम से अपने शरीर के विभिन्न अंगों एवं स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की, जबकि 184 मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। चिकित्सकों द्वारा लिखी गई आवश्यक दवाइयाँ भी यथासंभव निःशुल्क वितरित की गईं। जाँच के दौरान 18 गंभीर मरीजों को आगे की विशेष जाँच एवं उपचार हेतु जोधपुर रेफर किया गया।उल्लेखनीय हैं की इनका सम्पूर्ण इलाज निशुल्क किया जायेगा.।

स्वास्थ्य जागरूकता तथा दिवंगत परिजनों की पुण्य स्मृति में चिकित्सा शिविरों के आयोजन के अभियान के प्रमुख और इस केम्प के प्रेरक रामानंद काबरा ने कहा कि अपने परिवार और समाज के लोगों के स्वास्थ्य की चिंता करना तथा उसके लिए योगदान देना सबसे मूल्यवान उपहार है। उन्होंने कहा कि आज केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) भी गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए समय-समय पर मेंटल हेल्थ जागरूकता एवं परामर्श शिविरों का आयोजन भी समाज की

आवश्यकता बन चुका है, क्योंकि आज व्यक्ति तन के साथ-साथ मन से भी तनाव और अवसाद का सामना कर रहा है।

संस्था अध्यक्ष प्रेम मंगलानी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम केवल मनोरंजन और खान-पान तक सीमित न रहें, बल्कि स्वास्थ्य को जीवन की प्राथमिकता बनाएं। समय-समय पर आयोजित ऐसे छोटे-छोटे स्वास्थ्य कार्यक्रम हमें दीघार्यु, स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन की दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी बाबूभाई खुशालराम चंदानी ने इस शिविर को अपने जीवन में देखे गए सबसे सफल, सुव्यवस्थित और अनुकरणीय चिकित्सा शिविरों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से महिला संगठन की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के समर्पण और सेवा भाव के बिना इस आयोजन की सफलता संभव नहीं थी। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों एवं अकॉर्ड की पूरी टीम एवं शील काबरा के बिशेष सहयोग को स्मरण सहित सभी अन्य सहयोगियों के योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

इस जनकल्याणकारी आयोजन को सफल बनाने में समाज के अनेक गणमान्यजनों एवं कार्यकताओं का सराहनीय सहयोग रहा।

विशेष रूप से शशी बाला सोलंकी, इन्द्र सिंह बागावास, हेमंत कुमावत, महेश पारवानी, भावेश गंगवानी, दीपेश भोजवानी, भगवान भोजवानी, जैकी तिलोकानी, दीपक रामचंदानी, अशोक बबानी, नीरज मोतियानी, सुनील मोतियानी, श्रीमती कोमल मोतियानी, श्रीमती कीर्ति मंगलानी, श्रीमती पूनम मोतियानी, श्रीमती कनिका, हर्षिता रामचंद्रानी तथा सिंधी आदि शक्ति सेवा संगठन की समस्त महिला सदस्यों ने पूरे आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान कीं। समापन अवसर पर सभी अतिथियों एवं चिकित्सकों का स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया गया।

आयोजकों ने सभी चिकित्सकों, सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसेवा के ऐसे सतत अभियान चलाते रहने का संकल्प दोहराया।

पातेपुर बना पुर्ण रुप से पेपरलेस निबंधन कार्यालय, जिले में दूसरा और मुफस्सिल क्षेत्र का पहला कार्यालय

(बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार
पातेपुर अवर निबंधन कार्यालय ने डिजिटल सेवाओं की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अब यह कार्यालय वैशाली जिले का दूसरा तथा मुफस्सिल क्षेत्र का पहला पूर्णतः पेपरलेस निबंधन कार्यालय बन गया है। इस नई व्यवस्था के तहत शनिवार को पातेपुर अवर निबंधन कार्यालय में पहली बार बिना कागजी दस्तावेजों के ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से सफलतापूर्वक भूमि का निबंधन किया गया।

पहले पेपरलेस निबंधन में खिजिरपुर जसपरहां गांव निवासी विक्रेता ऋषि कुमार सिंह (पिता- सुदिष्ट नारायण सिंह) ने अपनी नौ डिसमिल जमीन गांव के ही निवासी बेबी देवी, पति मुकेश कुमार के नाम निबंधित कराई। इस निबंधन प्रक्रिया में सेवा प्रदाता गिरीश कुमार ठाकुर ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

अवर निबंधक संतोष कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की डिजिटल पहल के तहत निबंधन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाया जा रहा है। पेपरलेस प्रणाली लागू होने से अब अभिलेखों के रखरखाव में आसानी होगी, समय की बचत होगी तथा आम लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, सुरक्षित और पारदर्शी बन गई है।

उन्होंने बताया कि पेपरलेस व्यवस्था से कागज की खपत में कमी आएगी और सरकारी कार्यों में तेजी के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। निबंधन कार्यालय में आने वाले लोगों को नई प्रणाली की जानकारी देने तथा आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की गई है।

अवर निबंधन पदाधिकारी ने लोगों से ऑनलाइन सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि सरकार की इस डिजिटल पहल से निबंधन प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक, तेज और पारदर्शी हो गई है। इससे आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

निबंधित दस्तावेज की प्रति पक्षकारों को निबंधित होते ही मोबाइल पर व्हाट्सएप एवं मैसेज के माध्यम से उपलब्ध हो जाएगी।

पाली: पिल्ले के काटने के 2 माह बाद रेबीज से 35 वर्षीय युवक की मौत, समय पर टीका नहीं लगवाना पड़ा भारी

पाली जिले के बिजोवा गांव में 35 वर्षीय युवक की रेबीज (हाइड्रोफोबिया) से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार करीब दो माह पहले उसे एक पिल्ले ने काट लिया था, लेकिन घाव छोटा होने के कारण उसने इसे गंभीरता से नहीं लिया और एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाई। कुछ समय बाद उसे पानी से डर लगना, बेचैनी और अन्य लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर घाव को साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोकर तथा डॉक्टर की सलाह अनुसार एंटी-रेबीज टीकाकरण कराने से इससे पूरी तरह बचाव संभव है। जिले में लगातार बढ़ रहे डॉग बाइट के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी कुत्ते या संदिग्ध जानवर के काटने को हल्के में न लें और तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें।

बेखौफ बदमाश पीड़ित के बैंक खाते से पच्चीस हजार रुपए साफ

रिपोर्ट...राकेश कोठेनिया भरतपुर... शहर के हीरादास क्षेत्र में ठगों के हौसले बुलंद हैं। क्षेत्र में दिनदहाड़े पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम बूथ पर एक व्यक्ति को बातों में उलझाकर बदमाशों द्वारा पीड़ित व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर पीड़ित के बैंक खाते से25,000 साफ कर दिए गए। उक्त घटना के दौरान पीड़ित के मोबाइल फोन पर उनके बैंक खाते से 25,000 निकलने का मैसेज आ गया। पीड़ित रमेश चन्द गुप्ता निवासी इन्द्रा नगर, हीरादास क्षेत्र में स्थित पीएनबी के एटीएम बूथ से पैसे निकालने गए थे। बदमाशो द्वारा रमेश चन्द को अपनी बातों में उलझाकर बड़ी चालाकी से उनका बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम कार्ड बदल दिया गया। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित व्यक्ति पास के ही दूसरे एटीएम बूथ में गया तो वहां पर एटीएम कार्ड 'ब्लॉक' बताया गया एवं पीड़ित के मोबाइल पर 25,000 निकलने।

(समय पूछना पड़ा भारी) एएनएम (ANM) ने पीड़ित पर लाठी से किया हमला
वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

रिपोर्ट,,,,राकेश कोठेनिया
भरतपुर .... भुसावर क्षेत्र में स्थित नरहरपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गांव में स्थित सरकारी डिस्पेंसरी में अपने बच्चे का इलाज कराने गया वहां कार्यरत एएनएम (अठट) ने पीड़ित पर लाठी से हमला कर दिया था। उक्त घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,पीड़ित कुंजबिहारी गुर्जर निवासी नरहरपुर के अनुसार वह अपने बीमार बच्चे को दिखाने के लिए स्थानीय सरकारी डिस्पेंसरी पहुंचे थे

तथा उस समय डिस्पेंसरी बंद मिली थी। कुछ समय बाद जब डिस्पेंसरी खुली, तो कुंजबिहारी ने वहां कार्यरत एएनएम से डिस्पेंसरी के खुलने और बंद होने के समय को लेकर जानकारी मांगी लेकिन यह पूछताछ एएनएम को नागवार गुजरी। डिस्पेंसरी में देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि एएनएम, आशा सहयोगिनी और पीड़ित ग्रामीण के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

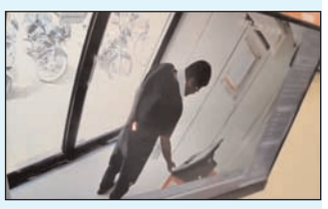

कुंजबिहारी पर लाठी से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराने एवं दोषीयो पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर अपराधियों का महिमामंडन करने वालों पर हिसार पुलिस की सख्त नजर, लोगों को दी गई कड़ी चेतावनी

हिसार : (सुरेश रहेजा,परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पुलिस अधीक्षक हिसार के निदेर्शानुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी छवि को बढ़ावा देने तथा युवाओं को गुमराह करने के प्रयासों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इसी क्रम में सोशल मीडिया पर एक आपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े व्यक्ति को फॉलो करने वाले कुछ व्यक्तियों को अपराध शाखा हिसार में बुलाकर उनसे पूछताछ की गई। सभी व्यक्तियों की काउंसलिंग करते हुए उन्हें समझाया गया कि किसी भी अपराधी या आपराधिक गतिविधियों का सोशल मीडिया पर समर्थन, प्रचार-प्रसार अथवा महिमामंडन करना समाज और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

काउंसलिंग के दौरान संबंधित व्यक्तियों ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल से उक्त व्यक्ति को अनफॉलो कर ब्लॉक कर दिया तथा भविष्य में किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति का समर्थन या प्रचार-प्रसार न करने का लिखित आश्वासन दिया। इस संबंध में उनके बयान भी दर्ज किए गए।

पुलिस अधीक्षक हिसार ने आमजन, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी और सकारात्मक उद्देश्य के लिए करें।

किसी भी अपराधी या आपराधिक गतिविधियों का महिमामंडन करने वाले अकाउंट को फॉलो, लाइक, शेयर या प्रमोट न करें।

ऐसा करना न केवल समाज में गलत संदेश देता है बल्कि कानून की दृष्टि से भी गंभीर विषय हो सकता है।

हिसार पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर अपराधियों का प्रचार-प्रसार, हथियारों का प्रदर्शन, धमकी, गैंग संस्कृति अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

केवल कार्रवाई नहीं, अब हर घर तक उपचार" - हिसार पुलिस की नशा मुक्ति टीम गांव-गांव पहुंचकर बदल रही जिंदगी : एसपी सिद्धान्त जैन

हिसार, (सुरेश रहेजा,परवीन कुमार, साहिल रहेजा) जहां एक ओर हिसार पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए संवेदनशील और मानवीय प्रयास भी निरंतर जारी हैं। पुलिस अधीक्षक हिसार श्री सिद्धान्त जैन, आईपीएस के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संचालित नशा मुक्ति टीम हिसार ने आज थाना आजाद नगर क्षेत्र के गांव गावड़ एवं गांव चौधरीवास में जन-जागरूकता एवं पुनर्वास अभियान चलाकर लोगों को नशे के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया।

अभियान के दौरान टीम ने दोनों गांवों के सरपंचों, गणमान्य नागरिकों, नशा पीड़ितों तथा उनके परिजनों से सीधा संवाद किया। लोगों से नशा तस्करों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली गई तथा उन्हें विश्वास दिलाया गया कि पुलिस न केवल तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी, बल्कि नशा छोड़ने के इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति को उपचार और परामर्श भी उपलब्ध कराएगी।

टीम ने ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जागरूक किया तथा युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं रोजगार की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। अभियान की प्रमुख उपलब्धियां

01 नए नशा पीड़ित की पहचान की गई।

05 नशा पीड़ितों को पहली बार नागरिक अस्पताल हिसार से एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। 05 नशा पीड़ितों के घर जाकर पहली बार आयुर्वेदिक दवाइयां पहुंचाई गईं।

03 नशा पीड़ितों को दूसरी बार सरकारी अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र से दवाई दिलवाई गई।

कुल 13 नशा पीड़ितों को घर-घर जाकर दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं, आवश्यक ब्लड टेस्ट, काउंसलिंग तथा चिकित्सकीय परामर्श दिलवाया गया।

01 नशा पीड़ित पुलिस टीम की प्रेरणा से स्वयं आगे आकर नागरिक अस्पताल हिसार के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुआ।

पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धान्त जैन ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून लागू करने की नहीं, बल्कि जीवन बचाने की भी लड़ाई है। हिसार पुलिस का उद्देश्य नशा तस्करों पर कठोर प्रहार करने के साथ-साथ नशा पीड़ितों को उपचार, परामर्श और सामाजिक सहयोग देकर उन्हें सम्मानपूर्वक नया जीवन देना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि उनके गांव या आसपास कोई युवक नशे की चपेट में है या कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है, तो इसकी सूच

महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा कानूनों के प्रति जागरूक करना हिसार पुलिस की प्राथमिकता : एसपी हिसार

हिसार :(सुरेश रहेजा,परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पुलिस अधीक्षक हिसार के निदेर्शानुसार महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से थाना अर्बन एस्टेट से सहायक उप निरीक्षक नीलम द्वारा गांव सतरोड़ में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को घरेलू समस्याओं (डोमेस्टिक प्रॉब्लम) के समाधान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना, दहेज उत्पीड़न, छेड़छाड़, पीछा करना (स्टॉकिंग), साइबर उत्पीड़न अथवा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले किसी भी अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

सहायक उप निरीक्षक नीलम ने महिलाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया। साथ ही महिलाओं को हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने तथा किसी भी घटना को छिपाने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचित करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस अधीक्षक हिसार ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना हिसार पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं को कानून की जानकारी देकर उन्हें आत्मविश्वासी एवं जागरूक बनाना ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा या अपराध की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

ग्राम प्रधान ममता सिंह ने फीता काटकर नए ग्राम संगठन समूह का किया उद्घाटन

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी ' राजातालाब।आराजीलाइन विकासखंड के ग्राम सभा गौरा स्थित पंचायत भवन पर शनिवार को मन्नत महिला ग्राम संगठन नामक नए ग्राम संगठन समूह का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान ममता सिंह पत्नी शारदा उर्फ गुड्डू सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के बाद फीता काटकर समूह का शुभारंभ किया ग्राम प्रधान ममता सिंह ने कहा कि इस नए ग्राम संगठन समूह के गठन से गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और स्वरोजगार की ओर अग्रसर होंगी उन्होंने समूह की सभी महिलाओं से ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।समूह सखी आरती देवी ने बताया कि ग्राम सभा के विभिन्न समूहों से 5 महिलाओं का चयन किया गया है इनमें समूह सखी आरती देवी अध्यक्ष सिंधु भारती सचिव निशा कुमारी मनसा कुमारी और सुनीता शामिल हैं ये सभी ग्राम सभा में संचालित अन्य समूहों का संचालन भी करेंगी कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं ने ग्राम प्रधान ममता सिंह को माला अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया अंत में ग्राम प्रधान के साथ समूह की महिलाओं ने पंचायत भवन परिसर में पौधारोपण किया और उपस्थित सभी महिलाओं को पौधे वितरित किए इस अवसर पर शैल कुमारी अनीता मौर्या सुमन कविता रीता जिउती रेखा पूजा आशा शर्मिला सुशीला सीता प्रिया पूनम पटेल सहित आईसीआरपी और सीएफ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित अधिवक्ताओं ने किया न्यायिक कार्य का बहिष्कार

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी ' राजातालाब। तहसील बार एसोसिएशन की बैठक शनिवार को प्रस्तावक मनीष कुमार सिंह के प्रस्ताव पर आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने की और संचालन महामंत्री वीरेंद्र कुमार यादव ने किया।सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर आज संपूर्ण दिवस सभी न्यायालयों का बहिष्कार करने और न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया साथ ही उपजिलाधिकारी शांतनु कुमार सिंह सिंगसवार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया धरने को समर्थन देने सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश गौतम पहुंचे उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ हुए दुर्व्यवहार से वह दुखी हैं जिलाधिकारी से मिलकर इसका सुखद निस्तारण कराया जाएगा निर्णय लिया गया कि सोमवार को एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा धरने में अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष राम जी सिंह पटेल सरजीत भारद्वाज छेदी लाल यादव पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह बाबर अली साबरी विश्वजीत श्रीवास्तव काशीनाथ पटेल सहित वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड प्रयागराज द्वारा आयोजित कोरांव ब्लॉक परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिमांशु यादव की रिपोर्ट प्रयागराज – उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, प्रयागराज की ओर से शनिवार को कोरांव ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम (एस.सी.पी.) का आयोजन, कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं स्वरोजगार के इच्छुक लोगों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी गयी इसके साथ ही कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मुकेश कोल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थी,इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया से भी के बारे में बताया

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ढटएॠढ), मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा माटीकला टूल्सकिट योजना सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी, साथ ही स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों का मार्गदर्शन भी किया,इस कार्यक्रम का आयोजन जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, प्रयागराज मण्डल द्वारा किया गया,विभाग ने अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बेरोजगार अभ्यर्थियों से कार्यक्रम में शामिल हुए, रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की,कार्यक्रम के दौरान जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल, सुनील कुमार, नन्द लाल पटेल, हिमांशु यादव, अभिषेक त्रिपाठी एवं राम लाल सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें

टीबी मुक्त पातेपुर अभियान को मिली गति, 55 मरीजों को मिला पोषण किट

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार पातेपुर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पातेपुर में पोषण सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के 55 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुरेंद्र पासवान ने स्वयं 20 टीबी मरीजों को गोद लेते हुए उनके नियमित उपचार, पोषण एवं स्वास्थ्य की निगरानी का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सुरेंद्र पासवान एवं डॉ. अनामिका ने टीबी रोग के लक्षण, बचाव, समय पर जांच और नियमित दवा सेवन के महत्व की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, वजन घटना, बुखार, रात में पसीना आना तथा भूख कम लगना टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उपचार के साथ-साथ उन्हें पर्याप्त पोषण भी मिल सके। डॉ. सुरेंद्र पासवान ने बताया कि टीबी मुक्त पातेपुर अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाया जाएगा। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के सभी निजी अस्पतालों एवं चिकित्सकों को पत्र भेजकर टीबी मरीजों की पहचान, जांच।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

विनोद कुमार सिंह

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है।

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल,डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन -भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास...

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है।लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं।स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी।हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है।यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी, मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है।रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली,पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है।बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है।भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन, समर्पित माल गलियारे ([illegible]),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है।अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है।इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता; केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि इसे 'जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट' की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है।यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है।भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास, निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है।यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है।यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है।इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है।हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है।इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी।यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है।जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है।इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा, हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी दृष्टि का नवीनतम अध्याय है।इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा।हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में हाइड्रोजन ऊर्जा पर अनुसंधान को नई गति मिलेगी।भारतीय उद्योगों के लिए भी अत्याधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

हरित ऊर्जा की दिशा में भारत पहले ही सौर, पवन,जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे का इस परिवर्तन का नेतृत्व करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्कों में से एक है।यदि इतना विशाल नेटवर्क स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव केवल भारत ही नहीं,बल्कि वैश्विक जलवायु प्रयासों पर भी पड़ेगा।जींद से प्रारम्भ हुई यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी की यात्रा नहीं है।यह उस नए भारत की यात्रा है,जो परम्परा और आधुनिकता,विज्ञान और संस्कृति,विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन तक पहुँची भारतीय रेल की यह विकासगाथा बताती है कि परिवर्तन ही प्रगति का सबसे बड़ा आधार है।निस्संदेह, जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आने वाले वर्षों में केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी जब भारतीय रेल ने हरित ऊर्जा क्रांति का शंखनाद किया और विकसित भारत की दिशा में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।यह केवल रेलवे की सफलता नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं,वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का साकार रूप है। आने वाले समय में जब देश के विभिन्न रेलखंडों पर हाइड्रोजन ट्रेनें नियमित रूप से दौड़ेंगी, तब इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि हरित भारत की इस नई यात्रा का प्रथम उद्घोष हरियाणा की पावन धरती जींद से हुआ था।

संपादकीय

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से ह्यदो बच्चोंह्ल से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी ह्यसैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024ह्ल शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के ह्यरिप्लेसमेंट लेवलह्ल से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दशार्ता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- ह्यसबके लिए एक ही जनसंख्या नीतिह्ल की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

सनत जैन

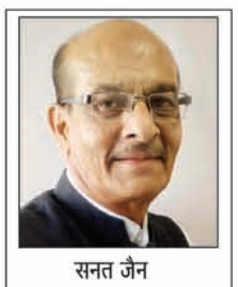

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी। आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलई खोल दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धर्मेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़िगडा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं।

18 दिन हो चुके, अभी तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्र नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अपना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेंगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है। कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक को जो लड़ाई सरकार के खिलाफ लड़नी थी, वह सरकार से ना लड़कर विपक्ष के साथ लड़ रहे हैं। जिसके कारण यह आंदोलन भटक गया है। जेन-जी के युवा इस आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हो पा रहे हैं। सोनम वांगचुक को आगे रखकर जेन-जी को भटकाने-अटकाने के लिए इस आंदोलन की जो पटकथा लिखी गई थी, वह अब सफल होती हुई नहीं दिख रही है।

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है- वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्ल लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्ल जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

मैकलॉयड रसेल बेचेगा चाय बागान, ऋण पुनर्गठन से मिली हरी झंडी

एनएआरसीएल ने वापस ली दिवालियापन अर्जी, 2029 तक चुकाना होगा कर्ज

नई दिल्ली ।

मैकलॉयड रसेल इंडिया अब अपने चाय बागानों की बिक्री शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नेशनल ऐसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) से कंपनी के खिलाफ दायर अपनी दिवालियापन की अर्जी औपचारिक रूप से वापस ले ली है, जिससे कंपनी के लिए यह रास्ता साफ हो गया है। एनसीएलटी के कोलकाता पीठ ने एनएआरसीएल की वकील इंडिया डेट रिजॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से दायर अर्जी को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। हालांकि, पीठ ने शर्त रखी कि पुनर्गठन प्रक्रिया विफल होने पर अर्जी फिर से शुरू की जा सकती है। यह घटनाक्रम 2 अप्रैल, 2026 को एनएआरसीएल द्वारा कंपनी के ऋणों के पुनर्गठन के लिए अनुमति पत्र जारी करने के बाद हुआ। एनएआरसीएल, जो 31 दिसंबर, 2025 तक कुल ऋणदाताओं के 75.02 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, मूल रूप से एचडीएफसी बैंक के लगभग 444.55 करोड़ रुपये के ऋण का अधिकार प्राप्त करने वाली बन गई थी। इस अनुमति पत्र के तहत, मैकलॉयड रसेल को 15 फरवरी, 2029 तक एनएआरसीएल को 1,050 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। कंपनी सूत्रों के संकेत हैं कि इस दायित्व को पूरा करने के लिए मैकलॉयड बागानों की पहली खेप की बिक्री के साथ आगे बढ़ेगी।

सोना चमका, चांदी की चमक पड़ी फीकी

सोना 1.40 लाख के पार, चांदी 2.15 लाख के करीब

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी की चमक फीकी पड़ी और उसके भाव लुढ़क गए। निवेशकों ने सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में पसंद किया, जबकि चांदी में मुनाफावसूली हावी रही। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,40,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव 1,40,348 से 310 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के कारोबार में सोने ने 1,40,733 रुपए का उच्च स्तर भी छुआ, जो इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इसके विपरीत एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,15,655 रुपए प्रति किलोग्राम पर लुढ़क गया, जिसमें पिछले बंद भाव 2,16,013 से 358 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही और यह 2.15 लाख रुपये किलो के करीब आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने में बढ़त दिखी। यह 3,996.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4.60 डॉलर की तेजी दर्शाता है। हालांकि इसकी शुरुआत 3,980.10 डॉलर प्रति औंस पर गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाद में इसमें सुधार आया। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 55.75 प्रति औंस पर फिसल गई, जिसमें 0.46 डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में 55 डॉलर प्रति औंस तक भी गिरे थे, जो इसकी कमजोर धारणा को दर्शाता है।

बैंकों को जब्त संपत्ति 7 साल में बेचनी होगीः आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए फंसे कर्ज के बदले जब्त की गई अचल संपत्तियों (एसएलएफए) के निपटान हेतु संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत बैंकों को ऐसी संपत्तियों को अधिकतम 7 साल के भीतर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचना अनिवार्य होगा।आरबीआई ने कहा कि बैंक को चिह्नित गैर वित्तीय संपत्ति (एसएनएफए) को अपनी नीति के तहत निर्धारित अधिकतम 7 साल की अवधि के भीतर निपटाना होगा। इसके लिए सरफेसी अधिनियम, 2002 में निहित नीलामी के सिद्धांतों का पालन करते हुए सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से जल्द से जल्द निपटान के सभी प्रयास

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 965 , निफ्टी भी 261 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। आज दिग्गज कंपनी रिलायंस के शेयरों में भारी तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 964.58 अंक बढ़कर 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 261.55 अंक ऊपर आकर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा तेजी रिलायंस के शेयर में आई ओर से 1326.50 रुपये पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा उछाल आया। इसके अलावा कोटक महिंद्रा, टीसीएस, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी भारी तेजी रही। दूसरी ओर, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह तेजी के साथ खुला।

सेंसेक्स ने 77,800 का स्तर पार करते हुए 627.98 अंक की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 50 भी 166.55 अंक चढ़कर 24,239.30 के स्तर पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 96.23 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.28 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी बिकवाली और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 96.28 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ 17 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 100.78 पर रहा।

चीन ने रेयर अर्थ रोके तो 6.5 ट्रिलियन डॉलर का उत्पादन प्रभावित होगा आईईए

स्मार्टफोन, ईवी से लेकर लड़ाकू विमान तक के निर्माण पर पड़ेगा असर

मुंबइ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2026 रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है, तो चीन से बाहर 6.5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 6.5 लाख करोड़ डॉलर) का वैश्विक औद्योगिक उत्पादन सालाना प्रभावित होगा। इसका गहरा असर टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, रक्षा, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने की आशंका है। रेयर अर्थ 17 महत्वपूर्ण खनिजों का समूह है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और लड़ाकू विमान जैसे हाई-टेक उपकरणों के निर्माण में आवश्यक हैं। आईईए के एक अे धिकारी ने चेताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा क्रिटिकल मिनरल्स पर अत्यधिक निर्भर है, जिनकी आपूर्ति सीमित देशों में केंद्रित है। चीन ने अक्टूबर 2025 में निर्यात के लिए लाइसेंस नियम सख्त किए थे, जिसका पूर्ण कार्यान्वयन नवंबर 2026 तक टला है, पर वैश्विक उद्योगों में अनिश्चितता बनी हुई है।

त्योहारों से पहले महंगाई का वार, गेहूं और खाद्य तेलों के दाम बढ़े

घरेलू उत्पादन में गिरावट और कमजोर रुपये से कीमतें उछलने की आशंका

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले आम आदमी की जेब पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। गेहूं और खाद्य तेलों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की आशंका है, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के साथ-साथ घरेलू मौसम संबंधी चुनौतियां भी इस मूल्य वृद्धि को हवा दे रही हैं। पिछले एक माह में घरेलू बाजार में गेहूं के दाम 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। काला सागर क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों और यूक्रेन के बंदरगाहों पर हमलों के कारण वैश्विक बाजार में गेहूं के दाम उछले हैं, जिससे शिकागो वायदा दो महीने के उच्चतम स्तर पर है। इसका असर भारतीय मंडियों पर भी दिखा है, जहां इंदौर में 8.44 फीसदी, जबकि दिल्ली, कानपुर और कोटा में औसतन 3.5-4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। घरेलू स्तर पर भी बढ़ता तापमान और बेमौसम बारिश गेहूं उत्पादन के अनुमान को घटा रहे हैं, जिससे भविष्य में कीमतें और बढ़ सकती हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है। इस साल सोयाबीन की खेती में 6 फीसदी की कमी और अपर्याप्त बारिश से प्रति हेक्टेयर उत्पादन घटने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर पाम तेल की कमी और बायोफ्यूल में इसके बढ़ते इस्तेमाल ने सोया व सूरजमुखी तेल को महंगा किया है। भारत ने फिलहाल आयात कम किया है, जो भविष्य में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ाएगा। कमजोर रुपया भी आयात लागत बढ़ा रहा है। अगस्त के पहले पखवाड़े से शुरू होने वाली त्योहारी मांग इन कीमतों को और ऊपर धकेल सकती है, जिससे उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा।

कारों के कंप्यूटरीकरण ने बदली ऑटो कंपनियों की भर्ती रणनीति

मैकेनिकल की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा और एआई विशेषज्ञों की मांग

नई दिल्ली।

वाहनों के बढ़ते कंप्यूटरीकरण और डेटा-केंद्रित संचालन के कारण भारतीय वाहन उद्योग अपनी भर्ती रणनीति में एक मौलिक बदलाव देख रहा है। पारंपरिक मैकेनिकल इंजीनियरों के बजाय, अब कंपनियां तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा वैज्ञानिक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों की तलाश कर रही हैं। यह बदलाव लगभग पांच साल पहले शुरू हुआ और अब रफ्तार पकड़ चुका है। वाहन उद्योग अब कारों द्वारा उत्पन्न और संसाधित किए जा रहे हर क्षण के डेटा पर केंद्रित हो गया है। इस तकनीकी क्रांति के कारण वाहन निर्माता अब इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों, कोडर्स, डेटा वैज्ञानिकों, साइबर सुरक्षा और एआई विशेषज्ञों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पहले मैकेनिकल इंजीनियरों और विनिर्माण विशेषज्ञों को दी जाती थी। यह बदलाव न केवल भर्ती पैटर्न को बदल रहा है बल्कि वाहन कंपनियों में महिलाओं की संख्या भी बढ़ा रहा है, जिससे केवल महिलाओं द्वारा संचालित उत्पादन क्षेत्रों का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है। टाटा मोटर्स में, 60 प्रतिशत से अधिक इंजीनियरिंग भर्ती अब विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एम्बेडेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों से होती है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सीताराम कांडी के अनुसार, यह पारंपरिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और डिजिटल तकनीकों के बीच बढ़ते संगम को दर्शाता है। ह्युंडै मोटर भी इसी तरह के रुझान देख रही है, जहां उत्पाद नियोजन, कनेक्टिविटी, मोबिलिटी, खरीद और विनिर्माण इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अब कनेक्टेड फीचर्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम जैसी तकनीकों पर काम करने के लिए वाहन डिजाइन के शुरुआती चरणों से ही प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं।

रिलायंस के प्रवर्तकों ने अप्रैल-जून तिमाही में बढ़ाई 0.5 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

Reliance Industries Limited

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के प्रवर्तक समूह ने अप्रैल-जून तिमाही में बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी में करीब 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नियामक आंकड़ों के अनुसार यह हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 प्रतिशत हो गई है, जिसे देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के प्रति उनके दीर्घकालिक भरोसे का संकेत माना जा रहा है। इस खरीद पर 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह खरीद भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के क्रीपिंग एक्विजिशन नियमों के तहत अनुमत सीमा के भीतर की गई। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब रिलायंस खुदरा, डिजिटल और नई ऊर्जा जैसे नए कारोबारों में भारी निवेश कर रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, प्रवर्तकों की हिस्सेदारी बढ़ना कंपनी की संभावनाओं और भविष्य की योजनाओं के प्रति प्रबंधन के गहरे भरोसे का संकेत है। उनका मानना है कि यह बढ़ोतरी दीर्घकालिक मूल्य के प्रति विश्वास दर्शाती है और अल्पसंख्यक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक है।

एनआरआई ला सकते हैं भारत में 80 अरब डॉलर

विदेशी मुद्रा भंडार होगा मजबूत] एफसीएनआर जमा पर बढ़ी ब्याज दर बनी आकर्षक,

सिंगापुर ।

भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अनिवासी भारतीय (एनआरआई) मौजूदा विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) जमा योजना के जरिए भारत में 70-80 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा ला सकते हैं। सिंगापुर के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने शुक्रवार को यह जानकारी दी, जिसके अनुसार बैंक सीमित अवधि के लिए एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने और रुपये को समर्थन देने के लिए सीमित अवधि हेतु बैंकों को एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश करने की अनुमति दी है। एफसीएनआर योजना एनआरआई और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को भारतीय बैंकों में अपनी विदेश में अर्जित आय को प्रमुख विदेशी मुद्राओं में सुरक्षित रूप से जमा करने और उस पर प्रतिफल प्राप्त करने का अवसर देती है, जहां राशि विदेशी मुद्रा में ही रहती है। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की सिंगापुर शाखा के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि 30 सितंबर, 2026 तक खुली इस पहल के तहत अब तक 10 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं। उन्होंने अनुमान व्यक्त किया कि यह आंकड़ा 70-80 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आईसीएआई की सिंगापुर शाखा द्वारा 15 जुलाई को आयोजित एक वैश्विक वेबिनार में इस विषय पर गहन चर्चा हुई। इस वेबिनार में दुनियाभर से करीब 1,800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें चार्टर्ड अकाउंटेंट, निवेशक और कारोबारी नेता शामिल थे। विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति जताई कि इस पहल से भारत की बाह्य वित्तीय स्थिति काफी मजबूत होगी और एनआरआई को देश के विकास में सीधा योगदान देने का अवसर मिलेगा। एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी और भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधियों ने एफसीएनआर ढांचे, निवेश प्रक्रिया और कर संबंधी पहलुओं पर जानकारी दी।

एचयूएल की ग्रोथ पर भरोसा, बीयूवाय रेटिंग बरकरार

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रखा 2,800 रुपए का लक्ष्य दिया

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) अपनी विकास रणनीति में बड़ा बदलाव कर रही है। अब कंपनी सिर्फ दाम बढ़ाकर नहीं, बल्कि ज्यादा सामान बेचकर कारोबार बढ़ाना चाहती है। इस नई दिशा को देखते हुए, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचयूएल के शेयर पर खरीदें की रेटिंग बनाए रखी है और 2,800 रुपए का टारगेट दिया है, जो मौजूदा 2,120 रुपए के भाव से करीब 32 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। कंपनी का लक्ष्य अधिक से अधिक उत्पादों की बिक्री से कारोबार बढ़ाना है। इसके लिए नए प्रोडक्ट्स लॉन्च करने, महंगे यानी प्रीमियम सेगमेंट पर जोर देने और गांवों से लेकर शहरों तक अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है। ग्राहकों की बदलती पसंद और बाजार की तेजी को देखते हुए रणनीतिक फैसले लिए जाएंगे ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मानना है कि एचयूएल के मजबूत ब्रांड, विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और प्रीमियम प्रोडक्ट्स का अच्छा पोर्टफोलियो कंपनी को फायदा देगा।

जर्मनी में उतरी हीरो मोटोकॉर्प, केएसआर ग्रुप के साथ शुरू की नई पारी

नई दिल्ली ।

प्रमुख भारतीय दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार करते हुए जर्मनी के बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। कंपनी ने केएसआर ग्रुप के साथ एक रणनीतिक वितरण साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत वह वहां के ग्राहकों तक अपने यूरो-5 प्लस मानकों के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला पेश करेगी। इस नई शुरुआत में कंपनी सबसे पहले अपनी लोकप्रिय एक्सपल्स 200 4वी सीरीज को लॉन्च करेगी। हीरो मोटोकॉर्प के एक अे धिकारी ने इस कदम को वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इटली, स्पेन, फ्रांस और ब्रिटेन में सफल प्रवेश के बाद यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में कदम रखना कंपनी की बढ़ती ताकत और क्षेत्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जर्मनी, हीरो मोटोकॉर्प के लिए यूरोप का पांचवां और वैश्विक स्तर पर 53वां बाजार बन गया है। केएसआर ग्रुप ने साझेदारी पर खुशी जताई और ग्राहकों को प्राथमिकता देने के साझा विजन पर जोर दिया।

कंपनी की योजना है कि केएसआर ग्रुप शुरुआत में जर्मनी के प्रमुख शहरों में 28 से अधिक बिक्री और सेवा केंद्रों के माध्यम से परिचालन शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य जल्द ही इस संख्या को बढ़ाकर 30 से अधिक करना और पूरे देश में नेटवर्क का तेजी से विस्तार करना है।

जियो का सस्ता प्लानः 189 में अनलिमिटेड कॉलिंग और 2जीबी डेटा

घर या ऑफिस में वाई-फाई इस्तेमाल करने वालों के लिए खास

नई दिल्ली ।

अगर आप जियो नंबर को सिर्फ एक्टिव रखना चाहते हैं और हर महीने महंगा डेटा पैक रिचार्ज नहीं करवाना चाहते, तो रिलायंस जियो ने एक किफायती विकल्प पेश किया है। कंपनी का 189 रुपये वाला प्रीपेड प्लान उन ग्राहकों के लिए फायदेमंद है, जो वाई-फाई पर निर्भर रहते हैं और मोबाइल डेटा का कम इस्तेमाल करते हैं। इस किफायती प्लान में 28 दिनों की वैलिडिटी मिलती है। ग्राहक देशभर में किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग का लाभ उठा सकते हैं। प्लान में 300 एसएमएस के साथ कुल 2जीबी हाई-स्पीड डेटा भी शामिल है, जिसे 28 दिनों के दौरान कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। डेटा खत्म होने पर इंटरनेट स्पीड घटकर 64केबीपीएस रह जाती है। इस प्लान के साथ यूजर्स को `जियो टीवी,` जियो सिनेमा और `जियो क्लाउड जैसी जियो डिजिटल सेवाओं का एक्सेस भी मिलता है, जिससे मनोरंजन और डेटा स्टोरेज की सुविधा बनी रहती है। वहीं यदि आपको अधिक इंटरनेट की आवश्यकता है, तो जियो का 299 रुपये वाला प्लान बेहतर विकल्प है। इसमें 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग, रोज 100 एसएमएस और हर दिन 1.5 जीबी हाई-स्पीड डेटा (कुल 42जीबी) मिलता है।

आयकर पोर्टल पर अब दिखेगी विदेशी आय-परिसंपत्ति की जानकारी

करदाताओं को एआईएस में विदेशी बैंक खातों और निवेश का ब्योरा

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की है। अब वे अपने आयकर विवरणिका फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में विदेशी बैंक खाते, निवेश खाते और विदेशी कर प्राधिकरणों द्वारा भारत को साझा की गई कुछ विदेशी आय की जानकारी देख सकते हैं। इसका उद्देश्य करदाताओं को आयकर विवरणिका दाखिल करते समय विदेशी परिसंपत्तियों और आय की सही जानकारी देने में मदद करना है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यह सुविधा ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इंफॉर्मेशन (एईओआई) फ्रेमवर्क के तहत शुरू की है। इस वैश्विक ढांचे के तहत विभिन्न देश कर चोरी रोकने के लिए एक-दूसरे के साथ वित्तीय खातों की जानकारी साझा करते हैं। इस डेटा में विदेशी बैंक खाते, वित्तीय निवेश, ब्याज, लाभांश और विदेश में भारतीय टैक्स रेजिडेंट्स से जुड़ी अन्य वित्तीय आय शामिल हो सकती है। वर्तमान में, एआईएस में कैलेंडर वर्ष 2022, 2023 और 2024 से संबंधित जानकारी उपलब्ध है। कैलेंडर ईयर 2025 की जानकारी इस साल सितंबर-अक्टूबर में उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि एआईएस में प्रदर्शित जानकारी वही है जो साझेदार देशों ने भारत के साथ साझा की है।

तिरुपति में दानवीरों का सैलाब : नई नीति से पहले 97 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुपति बालाजी मंदिर में दानदाताओं की अप्रत्याशित भीड़ देखने को मिली, जिसके चलते देवस्थानम बोर्ड ने मात्र 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 96.98 करोड़ रुपये का दान जमा किया। यह अप्रत्याशित बढ़ोतरी 15 जुलाई की आधी रात से लागू होने वाली नई दानकर्ता नीति से ठीक पहले दानदाताओं में मची होड़ का परिणाम थी। इस नई नीति से दानदाताओं को अब तक मिलने वाले आजीवन लाभों पर विराम लग गया है, और सुविधाओं व विशेषाधिकारों में भी बड़े बदलाव किए हैं। हालांकि, जिन्होंने 15 जुलाई से पहले दान दिया है, उन्हें अपने आजीवन लाभ मिलता रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 2,460 दानदाताओं ने योगदान दिया। इसमें से 1,212 भक्तों ने 1 से 10 लाख रुपये के बीच, जबकि 1,246 ने 10 से 25 लाख रुपये के बीच दान दिया। दो भक्तों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक का महादान किया। दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में शुमार तिरुपति बालाजी की कुल संपत्ति लगभग 3.38 लाख करोड़ रुपये है, जो कई छोटे देशों की जीडीपी से भी अधिक है। मंदिर की हुंडी में औसतन रोजाना 4.75 करोड़ रुपये का दान आता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने दानदाताओं की बढ़ती संख्या को देखकर विशेष सुविधा नीति में बदलाव करना आवश्यक बताया। टीटीडी के चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा कि पिछले चार महीनों में 10 लाख रुपये से अधिक दान करने वालों की संख्या में करीब 3,000 की बढ़ोतरी हुई है। नई नीति का उद्देश्य दान प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और एकरूपता लाना है, साथ ही आम तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन के अवसरों को भी बेहतर बनाना है।

मुर्शिदाबाद में ट्रेन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, तीन की मौत

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से स्कूल वैन में सवार कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो नाबालिग बच्चे बताए जा रहे हैं। हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के लिए मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे कर्णसुबर्ण रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर हुआ। बताया जा रहा है कि स्कूल वैन रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के सैकड़ों लोग रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों ने वैन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की 10 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंच गई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक रेलवे या स्थानीय प्रशासन की ओर से हादसे के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के कारणों और मृतकों तथा घायलों की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव और शोक का माहौल है।

रुद्रप्रयाग में खाई में डंपर गिरने से दो की मौत

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सड़क हादसों का सिलसिला जारी है। देर रात फाटा और बड़ासू के बीच एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हाल ही में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भी एक युवक खाई में गिर गया था, जिसे एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकालकर मिसाल पेश की है। गुरुवार देर रात तरसाली के पास हुए इस डंपर हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। रातभर चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान 45 वर्षीय संजय राणा और मोहन नामक दो व्यक्तियों के शव खाई से बरामद कर सड़क तक पहुंचाए गए। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। इससे पहले गौरीकुंड से करीब दो किलोमीटर ऊपर छोड़ी क्षेत्र में 25 वर्षीय मोहित रावत नाम का युवक खाई में गिर गया था। डायल-112 पर सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ और अन्य बचाव दलों ने अंधेरे और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मशक्कत कर मोहित को सुरक्षित निकाल लिया। उसे चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक के खाई में गिरने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

बरेली में गोकशी के आरोप में दो गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी और एक सिपाही घायल

बरेली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में गोकशी के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक को पुलिस मुठभेड़ के बाद दबोचा गया। इस कार्रवाई में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 16 जुलाई को इज्जतनगर पुलिस को ग्राम महलौन में गोकशी की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापा मारकर मोहम्मद खान को मौके से गिरफ्तार किया। उसके पास से लगभग 40 किलो गोमांस, इलेक्ट्रॉनिक वजन करने वाली मशीन और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में मोहम्मद खान ने स्वीकार किया कि उसने अपने जीजा अकीलुद्दीन उर्फ गट्टू, बहन हसीना और आलम उर्फ अकबर के साथ मिलकर गोकशी की थी। अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस को सूचना मिली कि अकीलुद्दीन इलाके में छिपा है। उसे पकड़ने के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में अकीलुद्दीन के पैर में गोली लगी और उसे बाद में पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा, कारतूस और गोमांस के कुछ टुकड़े भी बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस का बड़ा प्लान, मोदी सरकार की घेराबंदी की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरने की अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर अहम बैठक हुई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जिन्हें सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा।

इस बैठक में फैसला किया गया कि कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, लगातार हो रहे पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी जैसे भ्रष्टाचार के मामलों पर सरकार से कड़ा जवाब मांगेगी। इसके अतिरिक्त, एथनॉल मिश्रण नीति, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की कथित विफलताएं, संस्थानों पर बढ़ते कब्जे और राजनीतिक दलों को तोड़ने की प्रवृत्ति को भी उठाया जाएगा। पार्टी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हो रहे लगातार हमलों तथा बेलगाम वनों की कटाई से जुड़े पर्यावरण संबंधी चिंताओं को भी सदन में उठाने का संकल्प लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने रणनीति बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर इन जनहित के मुद्दों पर मोदी सरकार से जवाबदेही तय करने की बात कही। सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसद के भीतर विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने और विभिन्न मुद्दों पर सरकार को प्रभावी ढंग से घेरने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। सत्र की तैयारियों के तहत, विपक्षी गठबंधन इंडिया की भी सोमवार को बैठक प्रस्तावित है, जबकि सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कांग्रेस अपनी रणनीति को सफल बनाने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी बल दे रही है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान : राहुल से नहीं मिल पाए चन्नी, बुलाई समर्थकों की मीटिंग

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह लगातार खुलकर सामने आ रही है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच गुटबाजी लंबे समय से चल रही है। हाल ही में, चन्नी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि ऑल इज वेल और वे पार्टी आलाकमान का फैसला मानेंगे। चन्नी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी उनके नेता हैं और वे उनके साथ जीना-मरना चाहते हैं। इन दावों के बावजूद, चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिससे संकेत मिलता है कि पंजाब कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। इस बैठक को राजा वड़िंग के साथ चल रहे टकराव के बीच खुद को मजबूत दिखाने की चन्नी की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली में, चन्नी और रंधावा ने कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला से मुलाकात की, लेकिन चन्नी की राहुल गांधी से मुलाकात नहीं हो सकी। चन्नी चाहते थे कि राहुल गांधी उनसे मिलकर उनकी बात सुनें। पार्टी आलाकमान ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने का निर्णय लिया है, जबकि चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व वाले नेताओं का एक धड़ा इस फैसले का विरोध कर रहा है और वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर चन्नी को राज्य में पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की मांग कर रहा है। इसी बीच, चन्नी के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर सारा पंजाब चन्नी नाल (सारा पंजाब चन्नी के साथ) संदेश वाली तस्वीरें साझा की हैं, जो इस अंदरूनी खींचतान को और उजागर करती हैं। पंजाब मामलों के कांग्रेस प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने राज्य इकाई में गुटबाजी को लेकर अपनी रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपी है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस में ऑल इज वेल की स्थिति अभी भी दूर है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक कहा- कानून के दायरे में ही चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में बुलडोजर कार्रवाई पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि कानून के लिए बुलडोजर चल सकता है, लेकिन इसका उपयोग चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने साफकिया कि उसके पहले के फैसले में सभी बुलडोजर कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगाई गई थी, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया था कि तोड़-फोड़ की कार्रवाई कानून और संविधान के दायरे में ही हो। यह टिप्पणी मनमाने ढंग से बुलडोजर एक्शन के आरोपों वाली अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि हर बुलडोजर एक्शन की वैधता की जांच उसके अपने तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए और ऐसे मामलों की जांच के लिए हाईकोर्ट ही सही जगह हैं।

बेंच ने अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि उठाए गए मुद्दों में तथ्यों से जुड़े विवादित सवाल शामिल हैं, जिनकी विस्तार से जांच की आवश्यकता है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि अवैध कब्जों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल सही हो सकता है, विशेषकर जब अधिकारियों और अवैध कब्जा करने वालों की मिलीभगत से कानून का शासन कमजोर हो रहा हो। हालांकि, उन्होंने भेदभावपूर्ण तरीके से इसके इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि कानून लागू करने के नाम पर लोगों की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जोर दिया कि किसी भी विध्वंस यानी तोड़-फोड़ के मामले में मुख्य मुद्दा यह होता है कि क्या वह ढांचा कानूनी रूप से अधिकृत था और क्या अधिकारियों ने कार्रवाई करने से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन किया था। याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2024 (संभवतः 2023 या पहले का संदर्भ) के फैसले में तय सुरक्षा उपायों का उल्लंघन किया है। हालांकि, बेंच ने कहा कि उन आरोपों के लिए तथ्यों की जांच जरूरी है, इसलिए यह जांचने के लिए कि क्या उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था, हाई कोर्ट ही सही मंच हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी लंबित याचिकाओं को संबंधित हाई कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया, और यह स्पष्ट किया कि उसके पूर्व के फैसले को उसमें बताए गए अपवादों के साथ पढ़ा जाना चाहिए, न कि किसी अलग कानूनी प्रावधान के तौर पर। बेंच ने यह भी कहा कि बुलडोजर एक्शन के अलग-अलग मामलों में तथ्यों से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अवमानना की कार्यवाही सही तरीका नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सुनवाई के दौरान विभिन्न मामलों का हवाला दिया, जिसमें सोमनाथ में मस्जिदों को गिराए जाने और महाराष्ट्र में स्थानीय नेताओं द्वारा बुलडोजर कार्रवाई का आह्वान करने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शामिल थी।

वांगचुक ने कहा- तोड़ देंगे अनशन, पर 20 जुलाई के मार्च को सफल बनाना होगा !

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जो पिछले बीस दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं, अब इसे खत्म करने को राजी हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह शर्त सरकार के सामने नहीं, बल्कि जनता के सामने रखी है। वांगचुक ने संकेत दिया है कि यदि 20 जुलाई का संसद मार्च सफल होता है तो वह अपना अनशन समाप्त कर देंगे। उन्होंने देश भर के लोगों से इस मार्च को सफल बनाने की अपील की है।

वांगचुक ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि वे केवल अनशन खत्म करने के लिए नहीं कह रहे, बल्कि एक छोटा कदम उठाने के लिए कह रहे हैं, जिसमें मिस्ड कॉल करके अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना भी शामिल है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी माताओं को साथ लेकर संसद तक मार्च करें। उन्होंने वादा किया कि यदि यह मार्च कामयाब रहा और मुद्दा सही हाथों में गया, तो वे चैन की नींद सो पाएंगे और अपना अनशन तोड़ देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह मार्च की सफलता के लिए क्या पैमाने मानेंगे, जैसे कितनी भीड़ या कितनी दूर तक मार्च कर पाना उनकी नजर में कामयाबी होगी। इस अनिश्चितता के बावजूद, उनका आह्वान जनता के सहयोग पर केंद्रित है ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके संघर्ष को एक निर्णायक मोड़ मिल सके। अपने अनशन के 19वें दिन तक सोनम वांगचुक का वजन 9 किलो घट गया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि बहुत से लोग उनसे अनशन खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं। वांगचुक ने स्वीकार किया कि उनका शरीर कमजोर हुआ है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी हालत इतनी खराब नहीं है कि वे 3-4 दिन में मर जाएं। उन्होंने कहा कि वह अपना अनशन तभी खत्म करेंगे जब जनता एकजुटता दिखाएगी। इसी संदर्भ में उन्होंने लोगों से 20 जुलाई के संसद मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से माताओं से इस मार्च का नेतृत्व करने की अपील की, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए मां के दिल में जो प्यार होता है, वह किसी और के दिल में नहीं होता।

महाराष्ट्र में युवक की गोली मारकर हत्या, शिवसेना पार्षद समेत 16 पर मामला दर्ज

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शिवसेना के एक पार्षद और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार रात कलमनुरी शहर में हुई थी। पुलिस के मुताबिक एक पुराने विवाद को लेकर एक समूह के साथ हुई झड़प में लुकमान सिद्दीकी (38) को गोली मार दी गई। बताया जा रहा है कि इस समूह में शिवसेना पार्षद किशोर भालेराव भी शामिल थे। पुलिस ने बताया बाद में गंभीर चोटों के कारण लुकमान की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में कितनी गोलियां चलाई गईं, इसकी जांच अभी जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि भालेराव और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश जारी है। इस बीच, कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस घटना को लेकर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कानून का शासन खत्म हो गया है। सत्ता की ताकत के साथ गुंडागर्दी को शाही संरक्षण मिला है। सत्ता में बैठे लोगों की छत्रछाया में अपराधी बेखौफ हैं, जबकि आम नागरिक डरे हुए हैं।

अखिलेश की रथ यात्रा: 36 साल बाद धार्मिक स्थलों से भाजपा को घेरने की तैयारी?

यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल करने की चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इन्हीं चुनाव तैयारी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव एक बड़ी राजनीतिक कवायद की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार, अखिलेश सितंबर 2026 में समाजवादी पीडीए रथ यात्रा शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। यह यात्रा 25 सितंबर, 1990 को राम मंदिर आंदोलन के लिए निकाली गई चर्चित रथ यात्रा के 36 साल पुराने इतिहास को दोहराने जैसा होगा। माना जा रहा है कि अखिलेश की यह रथ यात्रा सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल से किए जाने पर मंथन चल रहा है, जिसमें अयोध्या, मथुरा या काशी जैसे स्थानों पर विचार हो रहा है। सपा की रणनीति भाजपा को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी जैसे मुद्दों पर राजनीतिक रूप से घेरने की हो सकती है, हालांकि पार्टी नेतृत्व अभी अंतिम स्थान और तारीख को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह यात्रा समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण को साधने पर केंद्रित होगी।

समाजवादी पार्टी के इन दावों के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मथुरा से संबंधित हालिया बयान चर्चा में है। कुशीनगर में जनसभा के दौरान, मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला कर कहा था कि जो लोग युवाओं का रोजगार छीनते थे, वे अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाती थी और मंदिरों पर कब्जा करवाती थी, जबकि भाजपा सरकार उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण कर रही है। योगी ने कहा कि मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की चारदीवारी पर खर्च करने वाले लोगों को विकास पर बात करना शोभा नहीं देता।

पुरी रथ यात्रा में श्रद्धालु की मौत पर सियासी घमासान

-विपक्ष ने सरकार को घेरा, भीड़ प्रबंधन पर उठे सवाल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की कथित भगदड़ में मौत के बाद राज्य सरकार पर मुख्य विपक्षी दलों, बीजू जनता दल और ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) ने निशाना साधा है। ओपीसीसी अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मृतक श्रद्धालु अनिल दास के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सतर्क रहने और भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्योंझर जिले के निवासी अनिल दास की मौत बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) स्थित मारीचिकोट चौक के पास अत्यधिक भीड़ के कारण दम घुटने से हुई, जहां वह पुलिस बैरिकेड से लगभग 100 फीट दूर अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भक्त चरण दास ने इस तरह की घटनाओं के बार-बार होने को गंभीर चिंता का विषय बताया और इसकी गहन समीक्षा की मांग की। उन्होंने घटना को अक्षम्य बताते हुए आरोप लगाया कि एक श्रद्धालु की मौत हुई है, जबकि 150 से अधिक लोगों को दम घुटने और भीड़ से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इलाज कराना पड़ा। उन्होंने पिछले वर्ष की रथ यात्रा का भी उल्लेख किया, जिसमें भगदड़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी। दास ने आरोप लगाया कि अत्यधिक संख्या में कॉर्डन पास जारी करना और आरएसएस स्वयंसेवकों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देना कथित अव्यवस्था के प्रमुख कारणों में से थे। उन्होंने पारंपरिक ताहिया (एक बड़ा और सुगंधित पुष्प मुकुट) के बिना भगवान जगन्नाथ की रस्म संपन्न कराने के लिए भी राज्य सरकार की आलोचना की, यह कहते हुए कि इससे ओड़िया समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने गुरुवार को रथ यात्रा के दौरान भगदड़ की घटनाओं के आरोपों से इनकार किया है, लेकिन पुरी में दो श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की। सरकार के अनुसार, रथ यात्रा के दौरान सात लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 60 वर्ष से अधिक आयु के एक पुरुष श्रद्धालु की कथित तौर पर दम घुटने के कारण मृत्यु हो गई। इसके अलावा, एक अलग घटना में, 35 वर्ष से अधिक आयु के एक अन्य पुरुष श्रद्धालु को दिल का दौरा पड़ा और तत्काल चिकित्सा सहायता के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद, राज्य में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कोरोना की वापसी की आशंका: 4 मौतें और 12 नए केस से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोविड-19 के कुछ नए मामलों और मौतों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है, जिससे बीमारी की वापसी का खतरा मंडराने लगा है। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच 12 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए, जिनमें से चार मरीजों की पहले से मौजूद गंभीर बीमारियों और कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के कारण मौत हो गई। इन मौतों का अनुपात लगभग 30 प्रतिशत रहा, जिसने लोगों को विशेष रूप से भयभीत कर दिया है। मरने वाले मरीजों को हाइपरटेंशन, डायबिटीज और किडनी संबंधी गंभीर समस्याएं थीं। शेष संक्रमितों में से तीन होम आइसोलेशन में हैं, दो अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि तीन ठीक होकर घर जा चुके हैं। जुलाई के पहले पखवाड़े में देशभर में कुल 339 नए कोविड मामले दर्ज किए गए हैं, जो सतर्कता की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

हालांकि, संक्रामक रोग विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल देश में कोरोना की कोई नई लहर नहीं है और न ही कोई खतरनाक वेरिएंट सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मामले स्थानीय क्लस्टर प्रतीत होते हैं, न कि देशव्यापी फैलाव। जानकार बताते हैं कि एक बड़ी आबादी में अब हाइब्रिड इम्यूनिटी मौजूद है, जो गंभीर बीमारी से बचाती है। इन्फ्लूएंजा और कोविड के लक्षण मिलते-जुलते हैं, इसलिए जांच महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। यदि बुखार 3-5 दिन से अधिक रहे, सांस लेने में तकलीफ हो, सीने में दर्द हो या भ्रम बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। मास्क के उपयोग पर विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी को मास्क लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन यदि किसी को बुखार, खांसी, गले में खराश या नाक बह रही है, तो दूसरों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क जरूर पहनें। अस्पताल जाते समय या भीड़भाड़ वाली बसों, ट्रेनों और फ्लाइट्स में भी मास्क का उपयोग करना उचित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों वाले लोगों को भीड़ वाली बंद जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। कुछ जरूरी सावधानियों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, बाहर से आने के बाद हाथों को साबुन और पानी से धोना, खांसी या जुकाम होने पर मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग करना शामिल है। यदि बच्चे बीमार हों, तो उन्हें स्कूल या खेलने न भेजें और घर पर उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था बनाए रखें। घबराने के बजाय सतर्कता और सावधानी ही इस स्थिति से निपटने का सर्वोत्तम उपाय है।